आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, शुक्रवार 26 जून 2026
■ वर्ष : 5 ■ अंक : 206
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2
dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

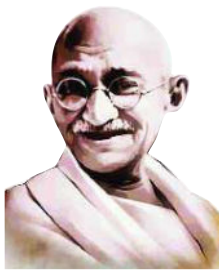

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

भारी जलजमाव से रहवासी परेशान

पेज-2

योग-संगीत ने जिंदगी में लाए गहरे बदलाव- नौरोजी

पेज-5

शहर में फिर दिखाई देने लगे भिखारी, प्रशासन सख्त

पेज-6

न्यूज ब्रीफ

- कोलकाता गोदाम हादसे में अब तक 14 लोगों की मौत
- चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान से की मुलाकात
- इजरायल को ईरान की चेतावनी- लेबनान छोड़ो, वरना शर्मनाक हार का सामना करने के लिए रहो तैयार
- झारखंड : रामगढ़ में भीषण सड़क हादसा, ट्रक और पैसेंजर व्हीकल की टक्कर में 7 की मौत
- डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा फैसला : ईरान से गेहूं, सोयाबीन और मक्का खरीदेगा अमेरिका
- EPFO पोर्टल आज से 28 जून तक बंद रहेगा, कई ऑनलाइन सेवाएं रहेंगी प्रभावित
- अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट का बड़ा आदेश : 3.5 लाख से ज्यादा प्रवासियों का सुरक्षा दर्जा खत्म करने को हरी झंडी
- उत्तराखंड : निहंग सिखों का बड़ा फैसला, लौटेंगे वापस
- RS छोड़ कांग्रेस में शामिल हुए 10 विधायकों के दलबदल मामले पर तेलंगाना हाईकोर्ट में आज सुनवाई
- होर्मुज में मालवाहक जहाज पर हमले के बाद IMO ने रोका जहाजों का रेस्क्यू
- आंध्र प्रदेश के भोगापुरम ग्रीनफील्ड अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का आज संचालन शुरू होगा
- चंदा विवाद के बीच अरविंद केजरीवाल आज अयोध्या में राम मंदिर के दर्शन करेंगे

इंदौर चले आइए... 'जाम' में आपका स्वागत है

आशीष गुप्ता : 9425064357

इंदौर ● दैनिक इंदौर संकेत

कभी देश का सबसे स्वच्छ शहर कहलाने वाला इंदौर अब एक नई पहचान की ओर बढ़ रहा है- 'देश का सबसे धैर्यवान शहर'। कारण साफ है, यहां की जनता रोजाना घंटों ट्रैफिक जाम में फंसकर धैर्य की परीक्षा जो दे रही है।

इन दिनों इंदौर शहर में ऐसा कोई प्रमुख मार्ग नहीं बचा है, जहां शाम के समय वाहनों की लंबी कतारें न दिखाई देती हों। दोपहिया और चारपहिया वाहनों की संख्या हर दिन बढ़ रही है। सड़कें वही हैं, लेकिन आबादी लगातार बढ़ रही है। कोई रोजगार के लिए आया है, कोई शिक्षा के लिए, तो कोई व्यापार की संभावनाओं के कारण इंदौर को अपना स्थायी ठिकाना बना चुका है।

नतीजा यह है कि शाम ढलते ही शहर की रफ्तार भी थम जाती है। विजय नगर, पलासिया, भंवरकुआं, राऊ, लसूड़िया और एबी रोड जैसे प्रमुख मार्गों पर वाहन रेंगते नजर आते हैं।

एबी रोड की कहानी तो और भी दिलचस्प है। एक ओर

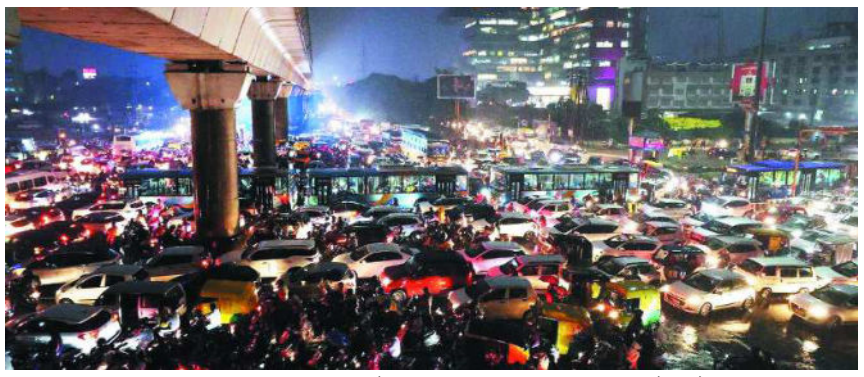

एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण शहर के भविष्य को बेहतर बनाने का सपना दिखा रहा है, तो दूसरी ओर वर्तमान में लगे बैरिकेड्स और पतरों ने सड़क को इतना संकरा कर दिया है कि वाहन चालक रोजाना 'धीमी गति प्रतियोगिता' में हिस्सा लेते दिखाई देते हैं।

शहर के नागरिक अब अपने घर से निकलने से पहले यह नहीं पूछते कि 'कितनी दूरी है?' बल्कि यह सोचते हैं कि 'जाम कितना मिलेगा?' पांच किलोमीटर का सफर आधे घंटे में पूरा हो जाए तो लोग इसे अपनी किस्मत का साथ मान लेते हैं।

सोशल मीडिया पर भी लोग मजाक में कहने लगे हैं कि इंदौर में गाड़ी खरीदने के साथ एक फोल्डिंग कुर्सी और थर्मस भी मिलना चाहिए, ताकि जाम में आराम से समय काटा जा सके। स्थानीय चर्चाओं में भी अव्यवस्थित निर्माण कार्यों और ट्रैफिक प्रबंधन को लेकर चिंता जताई जा रही है।

बेशक, विकास कार्य जरूरी हैं। एलिवेटेड कॉरिडोर, मेट्रो और फ्लाईओवर भविष्य में राहत दे सकते हैं, लेकिन फिलहाल इंदौरवासियों की हालत उस मरीज जैसी है, जिसे डॉक्टर कह रहा है- 'इलाज तो चल रहा है, बस थोड़ी तकलीफ और सह लीजिए।'

अब सवाल यह है कि शहर की बढ़ती आबादी, वाहनों की बाढ़ और अधूरी यातायात व्यवस्थाओं के बीच इंदौर अपनी रफ्तार कैसे बनाए रखेगा? क्योंकि यदि यही हाल रहा तो आने वाले समय में इंदौर का नया पर्यटन नारा कुछ ऐसा हो सकता है- 'इंदौर आइए, सराफा और छप्पन दुकान के सुमधुर व्यंजनों का स्वाद बाद में लीजिए, पहले ट्रैफिक जाम का आनंद लीजिए।'

धर्मेंद्र प्रधान को मोदी टीम से हटाया जा सकता है!

नई दिल्ली (एजेंसी) ● प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाले केंद्रीय कैबिनेट में जल्द फेरबदल हो सकते हैं। हालांकि, इसे लेकर तारीख या नाम अब तक स्पष्ट नहीं हैं, लेकिन अटकलें हैं कि इस बार सरकार से कई मंत्रियों की जिम्मेदारी बदली जा सकती है या बाहर किया जा सकता है।

चर्चाओं में राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा का नाम भी चल रहा है, लेकिन उन्होंने इस पर प्रतिक्रिया नहीं दी है। दरअसल, हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने अलग-अलग राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की थी।

इनके कट सकते हैं नाम-हवाले से कहा गया है कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर गाज गिर सकती है। वहीं, मंत्री हरदीप पुरी की जगह सिख या पंजाब से किसी नेता को अन्य विभाग में भी लाया जा सकता है। खास बात है कि प्रधान पेपर लीक को लेकर विपक्ष की आलोचना का सामना कर रहे हैं और उनके खिलाफ प्रदर्शन जारी हैं।

ये हो सकते हैं शामिल-रिपोर्ट के अनुसार, लोकसभा सांसद श्रीकांत शिंदे को बड़ा पद दिया जा सकता है। वह महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बेटे हैं। वहीं, आम आदमी पार्टी से भाजपा में शामिल होने वाले राघव चड्ढा को भी बड़ी जिम्मेदारी देने की अटकलें हैं। फिलहाल, इसे लेकर आधिकारिक रूप से कुछ नहीं कहा गया है। साथ ही बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और टीएमसी छोड़कर आए सुखेंदु शेखर रे भी शामिल किए जा सकते हैं।

निर्माणाधीन सड़क धंसी...

इंदौर। महालक्ष्मी नगर में लंबे समय से बन रही सड़क बारिश में बने एक अस्थाई नाले के चलते 40 फीट नीचे धंस गई।

मध्यप्रदेश कॉलोनी अधिनियम 2026 का ड्रॉफ्ट तैयार

कॉलोनी काटने के 5 साल में डेवलपमेंट जरूरी, नहीं तो परमिशन होगी कैंसिल

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मप्र कॉलोनी अधिनियम 2026 का ड्रॉफ्ट तैयार हो गया है। जल्द ही सीनियर सेक्रेटरी कमेटी के पास भेजा जाएगा। अब अवैध और अनाधिकृत कॉलोनियां काटने वालों की मुश्किलें बढ़ जाएंगी। इसमें दस वर्ष तक की सजा और 5 करोड़ रुपए तक के जुर्माने का प्रावधान होगा। एक्ट शासकीय कॉलोनियों के साथ भोपाल, महू, ग्वालियर, जबलपुर समेत सातों कंटोनमेंट क्षेत्रों में लागू होगा।

कॉलोनाइजर को 5 साल के अंदर सड़क, पानी, बिजली, सीवेज सहित अन्य इंटरनल विकास करना होगा। नगर निगम व टीएनसीपी से कॉलोनाइजरों को विशेष परिस्थिति में दो वर्ष तक का समय मिल सकता है। अगर कॉलोनाइजर अनुमति लेने के बाद भी कॉलोनी नहीं काटता है तो वह एक साल के अंदर लाइसेंस निरस्त करा सकेगा।

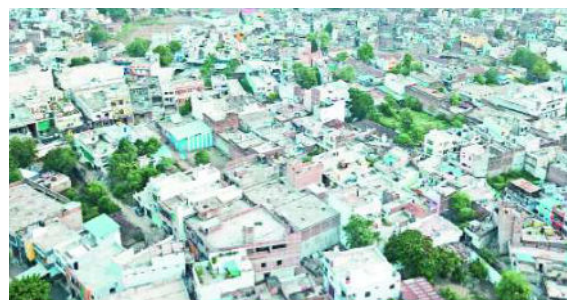

■ **अवैध कॉलोनी की परिभाषा बदली :** अवैध कॉलोनी उसे कहा जाएगा जो शासकीय भूमि, प्राधिकरण, हाउसिंग बोर्ड, निकायों की जमीन, विकास योजना, खेल-पार्क, पुरातत्व, सांस्कृतिक विरासत, नदी नालों, राष्ट्रीय अथवा राज्य मार्गों के लिए अधिसूचित जमीन पर बनायी गई हो। इन क्षेत्रों में कॉलोनियां कटने पर वार्ड प्रभारियों से लेकर कलेक्टर तक की जिम्मेदारी तय होगी। शिकायत मिलने पर पुलिस द्वारा कार्रवाई नहीं किए जाने पर उन पर कार्रवाई होगी।

■ **15 दिन की टाइम लाइन :** अवैध, अनाधिकृत कॉलोनियों को हटाने और उन पर कार्रवाई करने की समय सीमा 15 दिन तक रहेगी। इसके बाद सरकार कार्रवाई करेगी। इस मामले में पुलिस को भी इसके लिए जिम्मेदार ठहराया जाएगा। वहीं कॉलोनाइजर को तमाम अनुमति देने की समय सीमा 45 दिन तक रहेगी।

'नितिन' की 'नवीन' टीम के लिए प्रदेश संगठन ने भेजे दस से ज्यादा नेताओं के नाम

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन की नई टीम के ऐलान पर प्रदेश भाजपा के कई नेताओं की निगाहें लगी हुई हैं। इनमें से अधिकांश पार्टी के सीनियर और अनुभवी नेता हैं। नई टीम का ऐलान अगले हफ्ते होने की संभावना है। प्रदेश संगठन ने अपनी ओर से करीब दस नामों की सूची राष्ट्रीय संगठन को दी है। माना जा रहा है कि इस बार चार से पांच प्रमुख पदों पर प्रदेश के नेताओं को मौक मिल सकता है। भाजपा मध्यप्रदेश में अपने संगठन का नेटवर्क सबसे मजबूत मानती है और संगठनात्मक कामों में प्रदेश अक्सर देश में सबसे आगे रहता है।

यही वजह है कि प्रदेश के नेताओं को राष्ट्रीय टीम में अधिक प्रतिनिधित्व मिलता रहा है, हालांकि अभी राष्ट्रीय कार्यकारिणी में प्रदेश से जुड़े सौदान सिंह राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं तो पूर्व मंत्री ओम प्रकाश धुर्वे सचिव है। इसके अलावा लाल सिंह आर्य पार्टी के एससी मोर्चा के राष्ट्रीय प्रमुख की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

नबीन अध्यक्ष बनने के बाद जेपी नड्?डा की पुरानी टीम के साथ ही काम कर रहे हैं। सूत्रों की माने तो केंद्रीय नेतृत्व ने प्रदेश संगठन से राष्ट्रीय कार्यकारिणी के लिए नाम मांगे थे। प्रदेश संगठन से दस नाम केंद्र को भेजे गए हैं। इन पर लंबे समय से मंथन चल रहा है। जिन नेताओं को राष्ट्रीय टीम में लिए जाने की चर्चा हैं उनमें मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, पूर्व मंत्री नरोत्तम मिश्रा, सांसद और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, सांसद कविता पाटीदार, लता ऐलकर और लाल सिंह आर्य के नाम प्रमुख हैं। कैलाश विजयवर्गीय पूर्व में लंबे समय तक पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव का दायित्व निभा चुके हैं। वे प्रदेश की राजनीति करने के बजाए राष्ट्रीय स्तर की राजनीति में ज्यादा रूचि लेते हैं।

राज्यपाल मंगू भाई पटेल का बढ़ेगा कार्यकाल!

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगू भाई पटेल का कार्यकाल 7 जुलाई को समाप्त हो रहा है। राजनीतिक गलियारों में उनके कार्यकाल विस्तार की चर्चा तेज है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विश्वसनीय माने जाने वाले पटेल का कार्यकाल विवादमुक्त रहा है। उनकी पुनर्नियुक्ति की संभावना जताई जा रही है।

प्रदेश के राज्यपाल मंगू भाई पटेल का कार्यकाल सात जुलाई को समाप्त हो रहा है। चर्चा है कि उनका कार्यकाल एक और टर्म बढ़ सकता है। उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विश्वसनीय माना जाता है। राज्यपाल के रूप में उनका पूरा

कार्यकाल बिना किसी विवाद का रहा है और उनकी ट्यूनिंग राज्य सरकार से काफी अच्छी है। इन सब स्थितियों को देखते हुए मंगू भाई पटेल का कार्यकाल बढ़ने की पूरी संभावना है।

कंपनियां कमाएगी मुनाफा | **कच्चा-तेल ईरान युद्ध से पहले वाले भाव पर**

दशहरे तक पेट्रोल-डीजल की कीमतों में राहत नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी) ● ईरान युद्ध से पहले कच्चे तेल की जो कीमतें थीं, गुरुवार को वैश्विक बाजार में दाम उसी स्तर पर आ गए हैं। बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड ऑयल 72 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। यह वही भाव (72.29 डॉलर) है, जो युद्ध शुरू होने से एक दिन पहले 27 फरवरी को था।

17 जून को अमेरिका और ईरान के बीच समझौते के बाद स्विट्जरलैंड में हुई शांति वार्ता में अमेरिका ने ईरानी तेल के निर्यात पर आंशिक प्रतिबंध हटा लिए।

इसके बाद होर्मुज रूट से गुजरने वाले जहाज की संख्या बढ़ने लगी है। सोमवार के बाद से करीब 80 जहाज इस होर्मुज से गुजर चुके हैं। हालांकि यह संख्या युद्ध से पहले रोजाना 100 से ज्यादा जहाजों से कम है। हालांकि कच्चा तेल सस्ता होने के बावजूद पेट्रोल पंपों पर दाम दशहरे तक ही कम हो सकते हैं। एनर्जी एक्सपर्ट नरेंद्र तनेजा के मुताबिक, पेट्रोल, डीजल जैसे प्रोडक्ट्स जो अभी हम खरीद रहे हैं, उन्हें तैयार करने के लिए जो कच्चा तेल इस्तेमाल हो रहा है, उसे तब खरीदा गया था जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में उसकी कीमत करीब 110 डॉलर प्रति बैरल थी। भारतीय रिफाइनरियों के लिए ये करीब 125 डॉलर प्रति बैरल थे। इसमें करीब ढाई महीने लगेंगे।

कमर्शियल सिलेंडरों पर सरकार ने हटाई पाबंदी

केंद्र सरकार ने कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर पर लगाए गए प्रतिबंध हटा दिए हैं। पश्चिम एशिया संकट के बाद भारत में एलपीजी आपूर्ति बुरी तरह बाधित हो गई थी। होटल, रेस्तरां, ढाबे और छोटे उद्योगों को सिलेंडर मिलने बंद हो गए थे। अब आयात और घरेलू उत्पादन दोनों में सुधार के बाद सरकार ने यह पाबंदी हटाई है। थोक एलपीजी की सप्लाई भी संकट से पहले की खपत के 50 प्रतिशत तक बहाल कर दी है।

हाईकोर्ट की 'तारीखों' के बीच सरकार ने साल भर बाद फिर शुरू की प्रमोशन देने की तैयारी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मप्र सरकार ने पदोन्नति संबंधी मामला साल भर से जबलपुर हाईकोर्ट में विचाराधीन होने के बीच कर्मचारियों को प्रमोशन देने की तैयारी तेज कर दी है।

सामान्य प्रशासन विभाग ने 19 विभागों के उच्च अधिकारियों की 29 जून को मंत्रालय में बैठक बुलाई है। बैठक में मप्र लोक सेवा पदोन्नति नियम-संवर्गों के लिए एक्स और 2025 के तहत जिन वाय का निर्धारण 0 या 1 से भिन्न रखा जाना है, पर चर्चा की जाएगी।

■ **जीएडी ने 29 जून को बुलाई 19 विभागों के अधिकारियों की बैठक**

■ **17 जून, 2025 को मोहन कैबिनेट ने दी थी मप्र लोक सेवा पदोन्नति नियम-2025 को मंजूरी इंतजार है**

सामान्य प्रशासन विभाग ने विभागों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने विभाग के उप सचिव से निम्न स्तर के स्थापना संबंधी अधिकारी को बैठक में उपस्थित होने के लिए नामांकित करें। बैठक में संबंधित विभाग अपने-अपने संवर्गों की स्थिति, स्वीकृत पद, पदोन्नति की आवश्यकता, रिक्त पदों और नियम-2025 के तहत एक्स एवं वाय निर्धारण के प्रस्ताव प्रस्तुत कर सकते हैं। इसके बाद शासन स्तर पर अंतिम निर्णय की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी।

न्यूज ब्रीफ

जनगणना प्रथम चरण के मानदेय का शीघ्र भुगतान किया जाए -परमार

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● नेशनल मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम के डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट एवं शासकीय शिक्षक संगठन मध्यप्रदेश के प्रदेश मीडिया प्रभारी दिनेश परमार ने जनगणना 2027 के कार्य में संलग्न समस्त लोक सेवकों को जनगणना के प्रथम चरण के पारिश्रमिक का शीघ्र भुगतान करने की मांग की है। परमार ने बताया कि जनगणना में संलग्न सभी कर्मचारी -अधिकारियों एवं शिक्षकों ने एक मई से 5 जून तक भीषण गर्मी में प्रथम चरण का कार्य संपन्न करवाया था, किन्तु उसका मानदेय का अभी तक भुगतान नहीं किया गया है। श्री परमार ने मध्यप्रदेश जनगणना आयुक्त सहित इंदौर कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी शिवम वर्मा का इस ओर ध्यान आकृष्ट कराते हुए समस्त लोकसेवकों को जनगणना प्रथम चरण के मानदेय का शीघ्र भुगतान करने का अनुरोध किया है।

निःशुल्क आयुर्वेदिक पाइल्स, फिस्टुला एवं फिशर उपचार शिविर 27 जून को

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● जेएसजी संगिनी शक्ति एवं स्वर्णिम फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में 27 जून 2026 (शनिवार) को निःशुल्क पाइल्स, फिस्टुला एवं फिशर उपचार शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर में आयुर्वेदिक काउ यूरिन थेरेपी के माध्यम से रोगियों की जांच की जाएगी तथा चयनित मरीजों को एक माह की आयुर्वेदिक औषधियां निःशुल्क प्रदान की जाएंगी। यह शिविर सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक जैन्स काउ यूरिन थेरेपी हेल्थ क्लीनिक, बसंत मैन्शन, 165 आर.एन.टी. मार्ग, चेतक सेंटर के सामने, इंदौर में आयोजित होगा।

समस्या समाधान शिविर में 300 हितग्राहियों की सुनी समस्याएं

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल, वृत्त इंदौर द्वारा गुरूवार को विभिन्न कॉलोनियों के निवासियों की समस्याओं के निराकरण के लिए समस्या समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मंडल के अध्यक्ष श्री ओम जैन की उपस्थिति रही। वृत्त कार्यालय, प्रेस कॉम्प्लेक्स के सामने आयोजित इस शिविर में लगभग 300 हितग्राहियों की समस्याएं सुनी गईं। शिविर के दौरान नामांतरण, लीज नवीनीकरण, रजिस्ट्री, फ्रीहोल्ड, अनापत्ति प्रमाण-पत्र सहित विभिन्न विषयों से संबंधित शिकायतों एवं आवेदनों पर सुनवाई की गई। प्राप्त 105 आवेदनों का मौके पर ही त्वरित निराकरण किया गया।

निर्माण कार्य शुरू करने से पहले श्रम विभाग को सूचना देना अनिवार्य

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● श्रम विभाग द्वारा निर्माण स्थलों पर श्रमिकों की सुरक्षा, स्वस्थ कार्य परिवेश सुनिश्चित करने और उन्हें सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का समुचित लाभ पहुंचाने के लिए महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए गए हैं। भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अंतर्गत अब सभी निर्माण स्थलों पर पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था और सुरक्षा अधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य कर दी गई है। इसके लिए 'श्रम सेवा पोर्टल' मोबाइल ऐप के माध्यम से निर्माण स्थल का विवरण, कर्मचारियों की संख्या और लोकेशन सहित अन्य आवश्यक जानकारियां एकत्र की जा रही हैं, जिससे नियोजक श्रमिकों को दी जा रही सुविधाओं का विवरण दे सकें। निर्माण कार्य की पूर्व सूचना न देना नियमों का उल्लंघन माना जाएगा और संबंधित नियोक्ता पर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

झूठे निकले अफसरों के दावे, स्कीम नंबर 78, 54, 114 और 140 में भारी जलजमाव से रहवासी परेशान

तालाब बनी सड़कों की सुध लेने नजर नहीं आ रही निगम की टास्क फोर्स

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर में मानसून देरी से आया लेकिन इसके बावजूद भी नगर निगम चैंबरों की सफाई का काम समय पर नहीं कर सका। बैठकों में अधिकारियों ने चैंबर साफ करने के झूठे दावे किए, जिसकी पोल बुधवार और गुरुवार को हुई बारिश में खुल गई, क्योंकि शहर के पॉश इलाकों की सड़कें इस दौरान तालाब बनी हुई दिखाई दे रही हैं। वहीं इंदौर नगर निगम की टास्क फोर्स इस बार मैदान से गायब है।

पिछले साल निगम ने जलजमाव रोकने के लिए प्रत्येक जोन में टास्क फोर्स तैनात की थी, जिसमें प्रत्येक जोन पर 20-25 कर्मचारियों को शामिल किया गया था। बारिश शुरू होते ही यह टीम सक्रिय होकर जलजमाव रोकने के लिए चैंबरों की सफाई करती थी, लेकिन यह टीम इस बार की बारिश में नज़र नहीं आ रही है।

बारिश के पहले तैयारियों को लेकर 10 बैठकें निगम अधिकारी, महापौर, आयुक्त द्वारा की गईं, लेकिन इनका परिणाम सड़कों पर जलजमाव के रूप में ही सामने आया। अपर आयुक्त अभय रानगांवकर ने बताया कि क्विक रिस्पॉन्स टीम या टास्क फोर्स का गठन किया गया है, इसकी जानकारी नहीं है।

128 स्थानों पर जलजमाव

मामले में एमआईसी सदस्य अभिषेक बबलू शर्मा ने बताया कि शहर में चैंबर साफ करने के लिए टीम का गठन किया गया था। बीते दिनों जलजमाव को रोकने हेतु समीक्षा की गई थी। इस दौरान यह सामने आया कि शहर के 128 स्थानों पर जलजमाव होता है। यहां टीम बनाकर काम करने के निर्देश महापौर पुष्यमित्र भार्गवद्वारा निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल को दिए गए थे। इस पर कितना काम किया गया, इसकी जानकारी नहीं है, लेकिन जहां भी सूचना प्राप्त हो रही है, जल निकासी का काम किया जा रहा है।

जलजमाव के कारण गाड़ियां हो रहीं बंद-प्रत्यक्षदर्शी प्रिया सोमानी ने बताया कि वह आईटी कंपनी में ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर के पास काम करती हैं। उन्होंने कहा कि सड़कों पर भारी जलजमाव था। गाड़ियां बंद हो गईं। गणेशपुरी के रहवासी प्रमोद मेहता ने बताया कि 20 सालों से खजराना चौराहे पर तालाब का पानी ओवरफ्लो होता आ रहा है, लेकिन समस्या खत्म नहीं हुई।

मानसून की दस्तक, लगातार बारिश का दौर जारी

जिले में मानसून की दस्तक के साथ ही झमाझम बारिश का दौर लगातार जारी है। गुरुवार को भी झमाझम बारिश हुई। लगातार चौथे दिन इंदौर में मानसून ने मेहरबानी की और गर्मी उमस से लोगों को राहत मिली। गुरुवार को सुबह से रात तक 9.4 मिमी बारिश दर्ज हुई थी। अब तक कुल 4 इंच से ज्यादा बारिश दर्ज हो चुकी है। मौसम विभाग के अनुसार इस बार मध्य प्रदेश में मानसून ने अरब सागर और बंगाल की खाड़ी दोनों शाखाओं के जरिए एक साथ प्रवेश किया है। ऐसा संयोग करीब बीस साल बाद देखने को मिला है। हालांकि मानसून सामान्य तिथि 18 जून की तुलना में 6 दिन की देरी से इंदौर पहुंचा है। बंगाल की खाड़ी से बना सिस्टम सक्रिय है, जबकि मालवा क्षेत्र में अरब सागर का प्रभाव बना हुआ है। दोनों सिस्टम के सक्रिय होने से प्रदेशभर में अगले कुछ दिनों तक अच्छी बारिश की संभावना है। अभी जारी रहेगा बारिश का दौर : मौसम विभाग ने अगले पांच दिनों तक बारिश का दौर जारी रहने का अनुमान जताया है। गुरुवार सुबह मौसम साफ रहा, लेकिन दोपहर से बारिश का दौर का शुरू हुआ और रात तक चलता रहा। इस दौरान इंदौर के कई क्षेत्रों में रुक रुककर बारिश होती रही। गुरुवार को सुबह 8.30 बजे से रात 8.30 बजे तक 9.4 मिमी बारिश दर्ज हुई है। अब तक कुल 106 मिमी (4.17 इंच) बारिश दर्ज हो चुकी है। हालांकि पूर्वी और मध्य क्षेत्र में ज्यादा बारिश हुई है, यहां लगभग 5 इंच से ज्यादा पानी गिर चुका है। लगातार बारिश से मौसम में ठंडक घुल गई है।

हादसे के लिए तैयार रहें-कांग्रेस पार्षद चिटू चौकसे ने बताया कि शहर के जनप्रतिनिधि और अधिकारी केवल बैठकों में खानापूर्ति करते हैं। शहर में लोग अब तक प्यास से परेशान थे, अब जलजमाव से परेशान होंगे। आईडीए की कॉलोनियों स्कीम नम्बर 78,54, 114, 114 पार्ट-2, 140, महालक्ष्मी नगर की सड़कें जलमग्न थीं। अगर यही स्थिति रही तो हादसे के लिए तैयार रहें।

आपातकाल ऐसा काला धब्बा है, जिसे मिटाया नहीं जा सकता- कप्तान सिंह सोलंकी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● आपातकाल के 51 वर्ष पर भाजपा द्वारा शुभकारज गार्डन , पिपल्यापाला चौराहे में आपातकाल की विभीषिका का काला अध्याय विषय पर भाजपा के पूर्व प्रदेश संगठन महामंत्री कप्तान सिंह सोलंकी, भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एम. चुबा आओ, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन, नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, विधायक गोलू शुक्ला, मालिनी गौड, मधु वर्मा, श्रवण सिंह चावड़ा, सत्यनारायण सत्तन, गोपी कृष्ण नेमा, सुदर्शन गुप्ता, पूर्व राज्यपाल विष्णु सदाशिव कोकजे, बाबुसिंह रघुवंशी, ईश्वर हिंदुजा, राधेश्याम यादव, उमा नारायण पटेल, कंचन सिंह चौहान, गणेश गोयल, अजा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष भगवान परमार, लघु उद्योग निगम अध्यक्ष सत्येंद्र भूषण, शांतिलाल सिंघवी की उपस्थिति में संगोष्ठी का आयोजन हुआ। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व प्रदेश संगठन महामंत्री कप्तान सिंह सोलंकी ने कहा जब कभी इंदौर आता हूँ तो मेरा मन प्रसन्न हो जाता है। उन्होंने कहा आपातकाल एक ऐसा काला धब्बा है, भारत के लोकतंत्र में जिसे मिटाया नहीं जा सकता।

जोखिम भरे और एकान्त क्षेत्रों में रहेगा जन सामान्य का प्रवेश प्रतिबंधित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● जन सामान्य के जीवन की सुरक्षा को देखते हुये तथा हादसों की रोकथाम के लिए इंदौर जिले के जोखिम भरे और एकान्त क्षेत्रों में जन सामान्य के प्रवेश को प्रतिबंधित किया गया है। इस संबंध में कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी शिवम वर्मा ने प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किये है। जारी आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों के विरूद्ध आपराधिक प्रकरण पंजीबद्ध किया जायेगा।

कलेक्टर शिवम वर्मा द्वारा यह आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 (1) (2) के तहत जारी किया गया है। जारी आदेशानुसार महू तहसील क्षेत्रों में स्थित तिंछा फॉल , चोरल फॉल, चोरल डेम, सीतलामाता फॉल, कजलीगढ़, मेहन्दी कुण्ड, जामन्या कुण्ड, मोहाडी फॉल, रतबी वाटर फॉल, लोहिया कुण्ड, जूनापानी, मेहंदी कुण्ड, चिड़िया भड़क, बामनिया कुण्ड, जोगी भड़क, हत्यारी खो आदि पर्यटन स्थलों पर प्रतिबंधित क्षेत्रों व एकान्त क्षेत्रों में जन सामान्य के प्रवेश को तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित किया गया है। संबंधित मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत अथवा मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर परिषद द्वारा तत्काल उनके क्षेत्र में आने वाले पर्यटन क्षेत्र के आवश्यक स्थानों पर इस आशय के सूचना बोर्ड भी लगाये जायेंगे।

नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत छात्राओं ने लिया संकल्प

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, इंदौर संभाग एवं उम्मीद नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र, इंदौर के संयुक्त तत्वावधान में 'विकसित भारत की पहचान - नशा मुक्त भारत अभियान' के अंतर्गत माता जीजाबाई शासकीय स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय, मोती तबेला, इंदौर में एक दिवसीय नशा जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्राओं ने सहभागिता कर नशामुक्त भारत के निर्माण का संकल्प लिया।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन की कार्रवाई लगातार जारी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा प्रशासन इंदौर द्वारा खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने, मिलावट पर प्रभावी नियंत्रण तथा आमजन से प्राप्त शिकायतों के त्वरित निराकरण हेतु निरंतर कार्रवाई की जा रही है। विशेष रूप से सीएम हेल्पलाइन एवं अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों पर प्राथमिकता के आधार पर मौके पर पहुंचकर जांच एवं आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है।

इसी क्रम में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के दल द्वारा स्कीम नंबर 74, विजय नगर स्थित प्रेस्टीज पब्लिक स्कूल में संचालित मेस एवं कैंटीन का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान खाद्य पदार्थों का भंडारण खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुरूप नहीं पाया गया। साथ ही भोजन निर्माण एवं उपयोग में लिए जा रहे पानी की जांच रिपोर्ट एक वर्ष से अधिक पुरानी पाई गई। मौके से फ्रेंच फ्राइज, तुअर दाल, घी, सोयाबीन तेल, इंस्टेंट खमन मिक्स, रोटी, मिक्स वेज सब्जी एवं चावल के कुल 08 नमूने जांच हेतु लिए गए। निरीक्षण में पाई गई कमियों के संबंध में संस्थान को सुधार सूचना पत्र (नोटिस) जारी किया गया है।

सीएम हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायत के आधार पर खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम द्वारा मुंशी ढाबा, मानपुर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान आटा, दाल, चावल, नमकीन एवं मसालों के कुल 05 नमूने जांच हेतु संग्रहित किए गए।

पश्चिमी इंदौर बन रहा देश का उभरता लॉजिस्टिक्स हब

2000 करोड़ रूपये से अधिक के निवेश से बदल रही तस्वीर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश में औद्योगिक एवं लॉजिस्टिक्स अधोसंरचना के विकास को नई गति मिली है। राज्य सरकार द्वारा उद्योगों के लिए अनुकूल नीतियां, बेहतर कनेक्टिविटी तथा निवेशकों को त्वरित सुविधाएं उपलब्ध कराने के परिणामस्वरूप इंदौर-पीथमपुर क्षेत्र देश के सबसे आकर्षक औद्योगिक एवं लॉजिस्टिक्स गंतव्यों में उभर रहा है। विकसित हो रहा यह लॉजिस्टिक्स नेटवर्क प्रदेश को नेशनल फ्रेट कॉरीडोर एवं एक्सप्रेस-वे से जोड़ते हुए उद्योगों की लागत कम करने, निर्यात बढ़ाने तथा निवेश आकर्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

इंदौर एवं पीथमपुर क्षेत्र तेजी से मध्य भारत के प्रमुख लॉजिस्टिक्स एवं सप्लाई चेन हब के रूप में विकसित हो रहे हैं। पश्चिमी इंदौर में विकसित हो रही विभिन्न लॉजिस्टिक्स परियोजनाएं न केवल औद्योगिक विकास को नई गति देंगी, बल्कि क्षेत्र में बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन, निवेश आकर्षण तथा निर्यात गतिविधियों के विस्तार में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की लॉजिस्टिक्स कंपनियों द्वारा किए जा रहे निवेश इस क्षेत्र की बढ़ती संभावनाओं और मजबूत औद्योगिक आधार को दर्शा रहे हैं एवं विदेशी निवेश को बढ़ावा दे रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय नशा मुक्ति दिवस पर हस्ताक्षर अभियान, चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कर्मवीर स्वामी विवेकानंद ट्रस्ट एवं दी वात्सल्य इंटरनेशनल एकेडमी द्वारा अंतरराष्ट्रीय नशामुक्ति दिवस पर स्कूल परिसर में विद्यार्थियों ने नशा मुक्ति जागरूकता अभियान के तहत चित्रकला प्रतियोगिता में भाग लिया । ट्रस्ट अध्यक्ष प्रकाश मानावत ने जानकारी दी की विजेता बच्चों को पुरस्कृत किया गया। हस्ताक्षर अभियान में सेकडों लोगों ने हस्ताक्षर कर संकल्प लिया । नशामुक्ति के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सामाजिक कार्यकर्ताओ को सम्मानित किया गया। नशामुक्ति सेमिनार में अंकुर नशामुक्ति केंद्र के काउंसलर राकेश शर्मा, उपनिरीक्षक अजय शर्मा, रजत नागदा ने विद्यार्थियों एवं आम जन को नशें के दुष्परिणाम बताये एवं नशें दुर रहने के लिए जागरूक किया।

हर सिरदर्द सामान्य नहीं होता, मस्तिष्क के संकेतों को समझना है जरूरी - डॉ. कछारा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में सिरदर्द, तनाव, भूलने की आदत, चिड़चिड़ापन और थकान जैसी समस्याएं आम हो गई हैं। अधिकांश लोग इन्हें व्यस्त दिनचर्या, काम के दबाव या उम्र बढ़ने का सामान्य प्रभाव मानकर नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन कई बार शरीर के यही साधारण दिखने वाले संकेत किसी गंभीर न्यूरोलॉजिकल बीमारी की ओर इशारा कर रहे होते हैं। हाल ही में मनाए गए विश्व ब्रेन ट्यूमर दिवस के विषय में चर्चा करते हुए डॉ. रजनीश कछारा डायरेक्टर इंस्टीट्यूट ऑफ़ न्यूरोसाइंसेज़ मेदांता सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल, इंदौर ने कहा कि ब्रेन ट्यूमर के प्रति जागरूकता बढ़ाना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि समय पर पहचान होने पर उपचार के परिणाम बेहतर हो सकते हैं और मरीज सामान्य जीवन जी सकता है।

संभागायुक्त कार्यालय में पुराने अभिलेखों को व्यवस्थित करने की पहल

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● संभागायुक्त कार्यालय इन्दौर में संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाडे के निर्देशन में रिकॉर्ड्स को व्यवस्थित करने एवं पुराने नष्ट करने योग्य अभिलेखों को सूचीबद्ध करने का महाअभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत वर्ष 1960 से पूर्व के दस्तावेजों को व्यवस्थित एवं सूचीबद्ध करके छंटनी किए जा रहे हैं। साथ ही संभाल कर रखने योग्य दीर्घकालीन दस्तावेजों को यथाक्रम में बस्तों में क्रमबद्ध रखने की कार्यवाही की जा रही है।

उपायुक्त श्रीमती सपना एम. लोवंशी के निर्देशन में जारी उक्त अभियान का समस्त आयुक्त कार्यालय के अमले द्वारा तत्परता के साथ कार्य सम्पन्न किया जा रहा है, जिसमें कार्यालय अधीक्षक भंवरलाल चौहान द्वारा सम्पूर्ण अभियान का संचालन एवं समन्वय किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने ब्रेल लिपि में प्रकाशित पुस्तक का किया लोकार्पण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने निःशक्तजन के लिए आग, हीटवेब (लू) और आकाशीय बिजली से बचाव के संबंध में ब्रेललिपि में प्रकाशित पुस्तक का गुरूवार को मंत्रालय में लोकार्पण किया। पुस्तक का मुद्रण आपदा प्रबंध संस्थान भोपाल द्वारा सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के सहयोग से कराया गया है।

रेसीडेंसी के 'रिकॉर्ड ऑफ राइट्स' की सुनवाई पूरी, अब मेरिट से तय होगा आपकी जमीन निजी है या सरकारी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शहर के सबसे पुराने क्षेत्रों में शामिल रेसीडेंसी एरिया को राजस्व खसरों में शामिल करने और यहां रहने वालों को 'रिकॉर्ड ऑफ राइट्स' (सही अधिकार पत्र) देने की पांच साल से जारी कवायद अब अंतिम चरण में पहुंच गई है। जूनी इंदौर एसडीएम ने पूरे रेसीडेंसी एरिया को तीन सेक्टरों में बांटकर प्लॉट वार फाइलें तैयार की हैं, जिन्हें अब अंतिम अनुमोदन के लिए प्रशासन को भेजा जा रहा है। अब फाइलों की मेरिट के आधार पर यह तय किया जाएगा कि किन प्लॉटों या प्रॉपर्टी को निजी घोषित करना है और किन्हें सरकारी खसरों में शामिल किया जाएगा। प्रशासनिक स्तर पर हुई इस पड़ताल के तहत रेडियो कॉलोनी की एक फाइल बनी है, तो दूसरी धार कोठी की तैयार की गई है। धार कोठी में भी जो पुराना परिसर है, उसकी फाइल अलग है और जो कॉलोनी है, उसकी अलग बनाई गई है। इसी तरह चिड़ियाघर से लगे देवी अहिल्या नगर की अलग तो रतलाम कोठी की अलग फाइल है। इस पूरी प्रक्रिया में कॉलोनियों को एक प्लॉट (कुछ खसरे) के रूप में माना जा रहा है। इस क्षेत्र के मालिकाना हक को लेकर एक बड़ा पेंच उन पूर्व अधिकारियों का भी फंसा हुआ है, जो सालों से यहां रह रहे हैं। प्रशासनिक कार्रवाई को देखते हुए खासकर रेडियो कॉलोनी जैसे रहवासियों ने अपने स्तर पर जमीन से जुड़े सारे पुराने तथ्य और दस्तावेज जुटा लिए हैं।

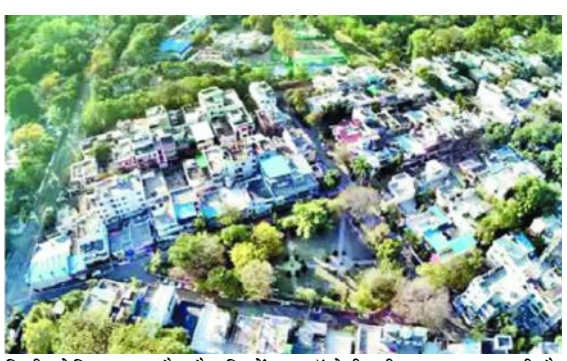

बिसनावदा की उचित मूल्य दुकान निलंबित अनियमितताओं पर जिला प्रशासन की सख्त कार्रवाई

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● ग्राम बिसनावदा स्थित शासकीय उचित मूल्य दुकान में लगातार मिल रही शिकायतों और सीएम हेल्पलाइन में दर्ज प्रकरणों के आधार पर कलेक्टर के निर्देश पर जिला प्रशासन की टीम ने कड़ी कार्रवाई करते हुए दुकान को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है। जिला खाद्य आपूर्ति नियंत्रक एम.एल.मारू ने बताया कि 30 मार्च 2026 को क्षेत्रीय कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी सुचिता दुबे द्वारा ग्राम पंचायत बिसनावदा, जनपद पंचायत इंदौर ग्रामीण में सतीमाता स्वयं सहायता समूह द्वारा संचालित शासकीय उचित मूल्य दुकान की जांच की गई। जांच के दौरान दुकान पर विक्रेता नेहा एवं सहायक विक्रेता दीपक गिनावा अनुपस्थित पाए गए। स्टॉक एवं भाव सूची बोर्ड अद्यतन नहीं मिला तथा पिछले दो माह के राशन वितरण संबंधी फ्लेक्स एवं बैनर भी अनुपस्थित पाए गए।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, शुक्रवार 26 जून 2026

न्यूज ब्रीफ

निर्लेश तिवारी पुरस्कृत / सम्मानित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● रेनेसा विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विचारों की मेराथान ' थिंक ईट ' स्पर्धा मे निर्लेश तिवारी की परिकल्पना / विचार को विशेष पुरस्कार दिया गया। एक गरिमामय समारोह मे प्रख्यात शिक्षाविद् व संस्थान के कुलाधिपति सीए स्वप्निल कोठारी ने उन्हे प्रशस्ति पत्र , स्मृति चिन्ह(पुस्तके) और यूनिवर्सिटी का पत्रक भेंट किया। इस अवसर पर महामंडलेश्वर दादू महाराज, पूर्व विधायक आकाश विजयवर्गीय , माला ठाकुर एवम समाजसेवी प्रकाश मानावत विशेष रूप से उपस्थित रहे। गौरतलब है की उनके शीर्षक विचार' रुको ' छात्र आत्महत्या पर अंकुश के संदर्भ मे थे। वे जीवन मे खेल के महत्व पर सत्र लेते रहे है और इसके माध्यम से आत्मघात प्रवृत्ति निषेध पर एक दशक से कार्य कर रहे है। वे पूर्व मे मध्यप्रदेश विधानसभा, इंदौर पुलिस आयुक्त / संजीवनी सहित देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, मेडिकेप्स यूनिवर्सिटी, गर्वनमेंट ला कॉलेज, जीजाबाई पीजी कॉलेज , महाराजा रंजीत सिंह कॉलेज सहित मालव कन्या व अनेक विद्यालयो मे प्रस्तुतिकरण दे चुके है।

जैन श्वेताम्बर मंदिर ट्रस्ट के चातुर्मास में साध्वी प्रियम रसाश्री एवं श्रियम रसाश्री का मंगल प्रवेश होगा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● द्वारकापुरी स्थित शीतलनाथ जैन श्वेताम्बर मंदिर में इस बार चातुर्मास के लिए प.पू. साध्वी प्रियम रसाश्री म.सा. एवं श्रियम रसाश्री म.सा. ने समाज बंधुओं की विनती स्वीकार करते हुए द्वारकापुरी श्रीसंघ को कृपापूर्ण स्वीकृति प्रदान की है। प.पू. साध्वी द्वय के मंगल प्रवेश एवं चातुर्मास के दौरान विभिन्न तैयारियों को लेकर ट्रस्ट मंडल के अध्यक्ष संजय नाहर के मार्गदर्शन में जोरदार कार्ययोजना बनाई गई है। चातुर्मास में प्रवचन एवं अन्य सभी धार्मिक कार्यक्रमों के लिए फूटी कोठी स्थित पुखराज पैलेस पर सभा मंडप बनाया जा रहा है। प.पू. साध्वी द्वय ने अब तक पुणे, मुंबई, शिरूर, तलेगांव, सिकंदराबाद सहित अनेक बड़े शहरों में चातुर्मास पर समाज बन्धुओं, विशेषकर युवा एवं महिलाओं को प्रेरक आशीर्वचन के साथ ही आत्मरक्षा, सदाचार, परिवार में समन्वय जैसे अनेक ज्वलंत मुद्दों पर मार्गदर्शन किया है। ट्रस्ट मंडल के अध्यक्ष संजय नाहर, उपाध्यक्ष सुशील कुकड़ा एवं सचिव चेतन भंडारी ने बताया कि चातुर्मास की तैयारियों के लिए आयोजित बैठक में अमृत मूणत, सतीश जैन, प्रभात चोपड़ा, रितेश सेखावत, दिनेश धींग, अजय जैन, युवा मंडल अध्यक्ष विनोद कोठारी, नितिन बावेल, विशाल पितलिया, यशवंत जैन, शुभम खाब्या, विकास पगारिया, पलकित डांगी एवं खुशाल कोठारी को विभिन्न समितियों का दायित्व सौंपा गया है।

प्रदेश के कर्मचारियों को 300 ईएल का मिलेगा पैसा, खुद कैलकुलेट कर सकेंगे रकम

भोपाल (एजेंसी) ● प्रदेश सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के लिए लीव इनकैशमेंट राशि को लेकर आदेश जारी किया है। अब कर्मचारी रिटायरमेंट या ड्यूटी के दौरान मौत की स्थिति में मिलने वाली छुट्टी लीव इनकैशमेंट राशि का अनुमान खुद लगा सकेंगे। वित्त विभाग ने सभी विभागों, कार्यालयों और संबंधित अधिकारियों को निर्देश जारी किया है। इसके साथ ही किसी भी कर्मचारी को अधिकतम 300 दिनों के अर्जित अवकाश (ईएल) का नकदीकरण लाभ दिया जाएगा। अगर किसी कर्मचारी के खाते में 300 दिनों से अधिक ईएल मौजूद है, तब भी भुगतान केवल 300 दिनों तक ही सीमित रहेगा।

वित्त विभाग ने कहा- कोई कर्मचारी पहले किसी अवसर पर ईएल इनकैशमेंट का लाभ ले चुका है, तो जितने दिनों का लाभ पहले लिया गया है, उसे 300 दिनों की अधिकतम सीमा में से घटा दिया जाएगा। कर्मचारी को कुल मिलाकर 300 दिनों से अधिक ईएल इनकैशमेंट का लाभ नहीं मिल सकेगा। सरकार के फैसले को कर्मचारियों के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है, क्योंकि लंबे समय से अवकाश नकदीकरण की गणना को लेकर अलग-अलग विभागों में भ्रम और विवाद की स्थिति बनती रही है। नए निर्देशों के बाद पूरे प्रदेश में एक समान प्रक्रिया लागू होगी।

वित्त विभाग के आदेश में सभी विभागों को यह स्पष्ट

रूप से बताया गया है कि अवकाश नकदीकरण की गणना निर्धारित नियमों के अनुसार ही की जाएगी। विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि कर्मचारियों के अर्जित अवकाश का रिकॉर्ड सही तरीके से रखा जाए। भुगतान के समय एक समान प्रक्रिया अपनाई जाए। सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी कर्मचारी को भुगतान में देरी न हो और गणना में गलतियां न हों।

क्या होता है लीव इनकैशमेंट

सरकारी सेवा के दौरान कर्मचारियों के खाते में अर्जित अवकाश (ईएल) जमा होते रहते हैं। कई कर्मचारी अपने पूरे अर्जित अवकाश का उपयोग नहीं कर पाते, जिसके कारण उनके खाते में बड़ी संख्या में छुट्टी बचे रह जाते हैं। जब कर्मचारी रिटायर होता है या सेवा के दौरान उसकी मौत हो जाती है, तब उसके खाते में बचे हुए ईएल के बदले सरकार नकद भुगतान करती है। इसी भुगतान को अवकाश नकदीकरण या लीव इनकैशमेंट कहा जाता है। यह राशि कर्मचारियों के रिटायरमेंट लाभों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा मानी जाती है। कई मामलों में यह लाखों रुपए तक पहुंच सकती है।

राज्य सरकार का कहना है कि इस आदेश का मुख्य उद्देश्य अर्जित अवकाश नकदीकरण की प्रक्रिया को पारदर्शी, सरल और एकरूप बनाना है। अलग-अलग विभागों में अपनाई जा रही अलग-अलग प्रक्रियाओं के कारण कई बार कर्मचारियों को परेशानी का सामना करना पड़ता था। अब वित्त विभाग के स्पष्ट दिशा-निर्देशों के बाद सभी विभागों में एक जैसी व्यवस्था लागू होगी।

साइबर जागरूकता अभियान 'सेफ क्लिक 2026'

पटेल ग्रुप आफ इंस्टीट्यूट, दिल्ली पब्लिक स्कूल में सायबर अपराध व उनसे संबंधी सुरक्षा के बारे में जागरूक किया गया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा साइबर अपराधों की रोकथाम एवं जन-जागरूकता के उद्देश्य से राज्य स्तरीय अभियान 'सेफ क्लिक 2026' का शुभारंभ किया गया है। वर्ष 2025 में आयोजित अभियान की सफलता के बाद इस वर्ष इसका दूसरा संस्करण 24 जून से 8 जुलाई तक पूरे प्रदेश में संचालित किया जाएगा। इसी क्रम में पटेल ग्रुप आफ इंस्टीट्यूट इंदौर में उपस्थित लगभग 100 छात्र-छात्राओ तथा शिक्षकों को वर्तमान समय में हो रहे सायबर अपराध व उनसे सुरक्षा के संबंध में जानकारी दी गयी तथा दिल्ली पब्लिक स्कूल इन्दौर के लगभग 500 विद्यार्थियों को साइबर अपराध से बचाव संबंधी जानकारी युक्त पर्चे एवं पुस्तिकाएँ वितरित की गई। साथ ही पीपीटी एवं क्विज के माध्यम से सायबर अपराधों से बचाव के उपाय, मोबाइल फोन का सुरक्षित उपयोग, 'सेफ क्लिक' के सिद्धांत, घटना घटित होने पर समय पर शिकायत दर्ज कराने का महत्व, हेल्पलाइन नंबर 1930 का उपयोग, तथा साइबर क्राइम पोर्टल एवं 'संचार साथी' एप्लीकेशन के उपयोग संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई एवं शपथ दिलाई गई।

मप्र कांग्रेस के समस्त प्रकोष्ठों के प्रदेश अध्यक्षों की महत्वपूर्ण बैठक भोपाल में संपन्न हुई

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव एवं मध्यप्रदेश प्रभारी संजय दत्त जी के साथ समस्त प्रकोष्ठ प्रभारी महेंद्र सिंह चोहान, पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा, ट्रेनिंग प्रभारी महेंद्र जोशी ने विभिन्न प्रकोष्ठों द्वारा किए गए कार्यों की समीक्षा की। साथ ही संगठनात्मक गतिविधियों के संचालन में आ रही चुनौतियों एवं समस्याओं पर विस्तृत चर्चा कर उनके समाधान हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में संगठन को और अधिक सक्रिय एवं जनहितकारी बनाने पर विशेष जोर दिया गया।

खाटू श्याम मंदिर अम्बिकापुरी में दी गई 108 श्रीफलों से आहुतियाँ

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● एयरपोर्ट रोड, अम्बिकापुरी स्थित खाटू श्याम धाम के 29वें वार्षिकोत्सव में गुरुवार को निर्जला एकादशी के उपलक्ष्य में खाटू श्याम महायज्ञ में 108 श्रीफलों की आहुतियाँ समर्पित कर समूचे राष्ट्र एवं मालवांचल में सुखद वर्षा, विश्व शांति एवं जनकल्याण की प्रार्थना की गई। सैकड़ों श्रद्धालुओं ने गत 20 जून से चल रहे महोत्सव में पुष्प बंगले एवं पवित्र ज्योत के दर्शन भी किए। समूचा परिसर दिनभर खाटू श्याम बाबा के जयघोष से गूंजता रहा। मंदिर के वार्षिकोत्सव का समापन शुक्रवार 26 जून को सुबह महायज्ञ की पूर्णाहुति एवं संध्या को चलित भंडारे के साथ होगा।

महंत नीलू बाबा ने बताया कि महामंडलेश्वर स्वामी गोपालदास महाराज के सानिध्य में अ.भा. खाटू श्याम अखाड़े के अनेक संत-विद्वानों ने निर्जला एकादशी पर महोत्सव में अपनी भागीदारी दर्ज कराई। सुबह मंदिर में श्याम बाबा का मनोहारी श्रृंगार किया

गया, जिसके दर्शनार्थ भक्तों का मेला दिनभर जुटा रहा। मंदिर पर चल रहे खाटू श्याम महायज्ञ में सुबह 108 श्रीफलों (नारियल) की आहुतियाँ समर्पित कर श्याम बाबा से सुखद वर्षा, विश्व शांति एवं जनकल्याण की प्रार्थना की गई। नारियल की आहुतियों में समाजसेवी राधेश्याम गुरूजी, विनोद मित्तल, पवन रामदास छावनी, जगदीश माहेश्वरी, रमेश शर्मा, मनीष गुप्ता एवं मंदिर समिति की ओर से धीरेंद्र जैसवाल, मनीष जैन, अनिल सोनी, श्याम सुंदर सोनी आदि ने भाग लिया। अतिथियों का स्वागत महंत नीलू बाबा के सानिध्य में मलखान सिंह ठाकुर, अशोक सोलंकी, पवन तिवारी, मुकेश उपाध्याय, मनोज सालवी, विनोद विश्वकर्मा, हिमांशु कौशल, अविनाश कौशल एवं महिला समिति की ओर से अध्यक्ष संध्या गुप्ता, करुणा शर्मा, प्रिया सांखला, मालती जायसवाल, रेखा परमार, सोनू सोलंकी, पूजा गोयल, पिंकी राजोरिया एवं दिव्या अग्रवाल ने किया। मातृशक्ति ने भी दोपहर में अपने भजनों से भक्तों को थिरकाए रखा। शाम को श्याम बाबा को पुष्प बंगले में विराजित किया गया तो सैकड़ों मोबाइल कैमरों की फ्लश मनोहारी दृश्य को कैद करने में जुटी रही।

मॉडल स्कूल के नाम पर गरीबों के भविष्य से खिलवाड़ 12 सरकारी स्कूल किए बंद, नए एडमिशन पर लगा 'ताला'

निलेश चौहान (94250-77209)

देपालपुर ● दैनिक इंदौर संकेत

प्रदेश सरकार के वे तमाम खोखले दावे एक बार फिर धरातल पर औंधे मुंह गिर गए हैं, जिनमें गरीब और मजदूर वर्ग के नौनिहालों को 'हाईटेक और वर्ल्ड क्लास' शिक्षा देने की कसमें खाई जाती हैं। जमीनी हकीकत देखनी हो तो देपालपुर आइए, जहां सरकारी बदहाली और लचर व्यवस्था के कारण मजबूर माता-पिता पेट काटकर, भारी-भरकम कर्ज लेकर अपने बच्चों को निजी (अशासकीय) स्कूलों की ऊंची फीस के कुएं में धकेलने को मजबूर हैं। सरकार का 'स्कूल चलो अभियान' धरातल पर आकर 'निजी स्कूलों की जेब भरो अभियान' में बदलता नजर आ रहा है। दरसल मामला शिक्षा विभाग की अजीबोगरीब और अदूरदर्शी नीति का है। सरकार ने बड़े तामझाम के साथ देपालपुर में 1600 बच्चों की क्षमता वाला सर्वसुविधायुक्त 'सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक मॉडल स्कूल' तो शुरू कर दिया। नीति के मुताबिक, क्षेत्र के 12 प्राथमिक और माध्यमिक सरकारी स्कूलों का वजूद खत्म कर उन्हें इस चमचमाते मॉडल स्कूल में मर्ज कर दिया गया।

मगर तमाशा देखिए! पुराने बच्चों को तो नए स्कूल में शिफ्ट कर दिया गया, लेकिन जैसे ही नए सत्र में नए गरीब बच्चों के एडमिशन की बारी आई, तो स्कूल प्रबंधन ने हाथ खड़े कर दिए। अब हालात यह हैं कि उन 12 बंद हो चुके स्कूलों के क्षेत्र में रहने वाले गरीब परिवारों के सामने अंधेरा छा गया है। उनके पास सिर्फ दो ही रास्ते बचे हैं— या तो अपने बच्चों को अनपढ़ रखकर उनका भविष्य बर्बाद कर दें, या फिर कर्ज के दलदल में फंसकर प्राइवेट स्कूलों की मोटी फीस भरेंगे।

जनता का बड़ा सवाल जब जगह नहीं थी, तो स्कूल बंद क्यों किए- जब मॉडल स्कूल में नए बच्चों

इनका कहना है हमारे विद्यालय की कुल क्षमता 1600 बच्चों की है। 800 बच्चे पहले से थे, और 12 स्कूलों के विलय के बाद सीट पूरी तरह 'हाउसफुल' हो चुकी है। यही कारण है कि हम नए एडमिशन नहीं ले पा रहे हैं। — अमिता मुंद्रा, प्रभारी प्राचार्या, सांदीपनि मॉडल स्कूल

इनका कहना है प्राथमिक स्कूल के बच्चों को एडमिशन न मिलने की परेशानी मेरे संज्ञान में आई है। मैं प्राचार्या से रिपोर्ट मांग रहा हूँ। इसके बाद जिला शिक्षा अधिकारी (ष्ठश्वह) को पत्र लिखकर मार्गदर्शन लेंगे। वहां से जो आदेश आएगा, वैसी वैकल्पिक व्यवस्था करेंगे।
— गणेश सोलंकी, बीआरसी , देपालपुर

को बैठाने की जगह ही नहीं थी, तो आनन-फानन में चल रहे 12 प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों को बंद क्यों किया गया क्या अफसरशाही सिर्फ कागजों पर वाहवाही लूटने के लिए गरीबों के बच्चों के भविष्य की बलि दे रही है।साहब! जब तक इंदौर से ष्ठश्वह का 'मार्गदर्शन' आएगा और जब तक कागजी कछुआ अपनी चाल चलेगा, तब तक क्या गरीब का बच्चा घर पर बैठा रहेगा या उसका एडमिशन किसी प्राइवेट स्कूल के जाल में हो चुका होगा? साफ है कि कागजी घोड़े दौड़ाने वाले अफसरों की लापरवाही का खामियाजा आज देपालपुर का वो मजदूर भुगत रहा है, जो दिनभर पसीना बहाकर भी दो वक्त की रोटी बमुश्किल जुटा पाता है। देखना यह है कि इस गंभीर अव्यवस्था पर सो रहा प्रशासन कब जागता है!

निपान्या स्थित मंदिर पर तैयारियां शुरू - पहला न्योता भगवान को किया समर्पित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अंतर्राष्ट्रीय श्रीकृष्ण भावनामृत संघ (इस्कॉन) के निपान्या स्थित मंदिर पर इस वर्ष भी भगवान श्री जगन्नाथजी की भव्य रथ यात्रा का दिव्य आयोजन 19 जुलाई को होगा। इस बार भी रथ यात्रा अन्नपूर्णा मंदिर परिसर से राजवाड़ा स्थित गोपाल मंदिर तक निकाली जाएगी। इसके पूर्व 29 जून को भगवान जगन्नाथजी की स्नान यात्रा का आयोजन भी व्यापक पैमाने पर होगा, जिसमें भगवान को 108 तीर्थस्थलों के पवित्र जल से स्नान कराया जाएगा। रथ यात्रा की व्यापक तैयारियां प्रारंभ हो गई है। इस्कॉन मंदिर इंदौर के अध्यक्ष स्वामी महामनदास प्रभु ने बताया कि रथ यात्रा 19 जुलाई को दोपहर 1 बजे अन्नपूर्णा मंदिर से शहर के सभी प्रमुख संत, विद्वानों, आचार्यों एवं वेदपाठी विद्वानों के सानिध्य में प्रारंभ होकर नरेन्द्र तिवारी मार्ग, रणजीत हनुमान मंदिर, महू नाका चौराहा, छत्रीपुरा, बियाबानी, मालगंज, मल्हारगंज, टोरी कॉर्नर, गौराकुंड चौराहा, खजूरी बाजार होते हुए राजवाड़ा चौक एवं वहां से गोपाल मंदिर पहुंचेगी। यात्रा मार्ग पर परम्परागत स्वागत की तैयारियां भी शुरू हो गई है। आयोजन समिति के संयोजक हरि अग्रवाल, किशोर गोयल, अशोक गोयल एवं सह संयोजक भावेश दवे ने बताया कि महोत्सव का शुभारंभ 29 जून को भगवान जगन्नाथ की स्नान यात्रा के साथ होगा। भगवान के प्राकट्य उत्सव के उपलक्ष्य में उन्हें देश के 108 तीर्थस्थलों के पवित्र जल, सुगन्धित दृव्यों एवं फलों के रस से स्नान कराया जाएगा। यह आयोजन निपान्या स्थित इस्कॉन मन्दिर पर दोपहर 12 बजे से प्रारंभ होगा। महोत्सव का पहला न्योता गुरुवार को इस्कॉन मन्दिर पर भगवान जगन्नाथ को समर्पित किया गया। इस मौके पर प्रभु महामनदास के सानिध्य में क्षेत्र के पार्षद सुरेश कुरवाड़े, सयोजक हरि अग्रवाल, अशोक गोयल एवं मंदिर से जुड़े संत गिरधर गोपाल दास, अद्विधरण दास, श्रीनिकेतन दास, विशाल प्रभु, अच्युत गोपालदास सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता
5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

सम्पादकीय

असुरक्षित दिल्ली, नाबालिगों में हिंसक प्रवृत्ति का बढ़ना पूरे समाज के लिए चेतावनी

हम किशोरों को सामाजिक मूल्यों का पाठ नहीं पढ़ा पाए हैं। नाबालिगों में हिंसक प्रवृत्ति का बढ़ना पूरे समाज के लिए चेतावनी है। इसे रोकने के लिए कई स्तरों पर कदम उठाने की जरूरत है। आज हम एक ऐसे समाज में रह रहे हैं जहां चंद रुपये के लिए किसी की हत्या कर दी जाती है। यह कानून व्यवस्था का मसला जरूर है, लेकिन इसके समाजशास्त्रीय पक्ष को लगातार अनदेखा किया गया है। चिंता की बात है कि बच्चों का स्वभाव भी अब उग्र होता जा रहा है। मामूली बातों पर आपा खो देना सामान्य बात हो गई है। दिल्ली में एक बार फिर महज कुछ रुपये के लिए एक व्यक्ति की हत्या समाज की मनोदशा की स्याह तस्वीर सामने रखती है। खबरों के मुताबिक, पिछले दिनों राजधानी के तिलक नगर इलाके में मात्र डेढ़ सौ रुपये के विवाद में तीन नाबालिगों ने चाकू से ताबड़तोड़ वार कर एक व्यक्ति की हत्या कर दी। नाबालिगों में इस तरह बढ़ रहे दुस्साहस की वजह जानने की आवश्यकता है। दिल्ली में स्थानीय निकाय से लेकर राज्य और केंद्र तक- तीन इंजन की सरकार होने और पुख्ता सुरक्षा के दावों के बीच इस तरह की घटनाएं हो रही हैं, तो स्थिति की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है। अगर यहां पढ़ने-लिखने की उम्र में बच्चे हथियार लेकर चल रहे हैं, यह कानून व्यवस्था संभालने वालों की भी लापरवाही है। इस तरह के अपराध से नागरिकों के मन में असुरक्षा का बोध बढ़ेगा। वैसे भी आत्मकेंद्रित हो रहे समाज में अब कोई किसी को बचाने के लिए आगे नहीं आता। हालांकि तिलक नगर में हुई हत्या के मामले में आरोपी तीन किशोरों को दिल्ली पुलिस ने कुछ ही घंटे में पकड़ लिया, लेकिन सवाल है कि नाबालिगों के हाथों में चाकू जैसे घातक हथियार कैसे पहुंच रहे हैं? गौरतलब है कि दिल्ली में पहले भी इसी तरह महज चार सौ रुपये के लेनदेन के विवाद में एक युवक की हत्या कर दी गई थी। ताजा मामले में बताया गया कि पीड़ित ने जबरन एक किशोर से डेढ़ सौ रुपये लिए थे, जिसे वह वापस नहीं कर रहा था। इस तरह की घटनाओं से स्पष्ट है कि हम किशोरों को सामाजिक मूल्यों का पाठ नहीं पढ़ा पाए हैं। नाबालिगों में हिंसक प्रवृत्ति का बढ़ना पूरे समाज के लिए चेतावनी है। इसे रोकने के लिए कई स्तरों पर कदम उठाने की जरूरत है।

समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव पर 'राम मंदिर विरोधी' होने का ठप्पा क्यों लगा है ?

अखिलेश यादव पर 'राम मंदिर विरोधी' होने का ठप्पा उनकी और समाजवादी पार्टी की पिछली सरकारों के फैसलों, हिंदुत्व विरोधी माने जाने वाले बयानों और राम मंदिर आंदोलन के दौरान अयोध्या में हुई गोलीबारी (1990) से जुड़े ऐतिहासिक विवादों के कारण लगा है। इसे मुख्य रूप से निम्नलिखित राजनीतिक और ऐतिहासिक कारणों से बल मिलता है:

1990 की अयोध्या गोलीबारी: अक्टूबर 1990 में जब अयोध्या में कारसेवकों की भारी भीड़ जुटी थी, तब मुलायम सिंह यादव के नेतृत्व वाली तत्कालीन सपा सरकार ने पुलिस को गोली चलाने का आदेश दिया था। इस घटना में कई कारसेवकों की जान गई थी, जिसे लेकर हिंदूवादी संगठनों और भारतीय जनता पार्टी ने उन्हें 'राम मंदिर विरोधी' माना। चूंकि अखिलेश यादव इसी पार्टी की विरासत संभालते हैं, इसलिए यह आरोप उन पर भी चस्पा किया जाता है।

सांस्कृतिक और धार्मिक मुद्दों पर रुख: सपा सरकार के दौरान कुछ ऐसे फैसले लिए गए (जैसे वीएचपी की विवादित यात्राओं पर प्रतिबंध और हिंदुत्व के एजेंडे का विरोध), जिन्हें भाजपा अखिलेश यादव पर 'राम मंदिर विरोधी' होने का ठप्पा उनकी और समाजवादी पार्टी की पिछली सरकारों के फैसलों, हिंदुत्व विरोधी माने जाने वाले बयानों और राम मंदिर आंदोलन के दौरान अयोध्या में हुई गोलीबारी (1990) से जुड़े ऐतिहासिक विवादों के कारण लगा है। इसे मुख्य रूप से निम्नलिखित राजनीतिक और ऐतिहासिक कारणों से बल मिलता है: संसद में हालिया बयान: अखिलेश यादव अक्सर संसद या राजनीतिक मंचों से तंज कसते हुए यह कहते हैं कि 'जिन्होंने गोली चलवाई, वे ही राम मंदिर बनवा रहे हैं।' इस तरह के बयान उनके और भाजपा के बीच वैचारिक टकराव को दिखाते हैं और उनकी मंदिर विरोधी छवि को मजबूत करते हैं।

समारोहों से दूरी: अयोध्या में 22 जनवरी 2024 को हुए भव्य 'राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा' समारोह और 2024 में रामलला के दर्शन का निमंत्रण मिलने के बावजूद अखिलेश यादव का उसमें शामिल न होना, हिंदूवादी संगठनों के बीच उनकी छवि को मंदिर-विरोधी के रूप में स्थापित करने का एक बड़ा कारण बना। जब विधान सभा में राम मंदिर धन्यवाद प्रस्ताव रखा गया था तब सपा के 108 में से केवल 14 विधायकों ने विधानसभा में राम मंदिर धन्यवाद प्रस्ताव का विरोध किया। भाजपा की ओर से कहा जा रहा था कि इनके नाम सार्वजनिक किये जाएं। यूपी बजट सत्र के तीसरे दिन 5 फरवरी को सदन में अपने अभिभाषण के दौरान डॉक्टर शलभमणि त्रिपाठी ने सपा को जमकर लताड़ लगाई। विधानसभा में उन्होंने कहा कि 'राम मंदिर का आमंत्रण तो आप को भी मिला था पर आप अयोध्या नहीं गए। मैं बहुत हैरान हुआ कि जब आप लोग भगवान राम के आमंत्रण पर नहीं गए। आप लोगों ने भगवान राम के वजूद को नकार दिया था। आप लोगों के लिए पश्चाताप का आखिरी अवसर था। आज जब सदन में भगवान राम के नाम पर बधाई प्रस्ताव जा रहा था तब आप लोग चुप रह सकते थे लेकिन आपने विरोध शुरू कर दिया। मैं विधानसभा अध्यक्ष से मांग करता हूं कि उन 14 सपा नेताओं के नाम सार्वजनिक कीजिए जिन्होंने भगवान राम के नाम पर आए बधाई प्रस्ताव का विरोध किया है।' दरअसल राम मंदिर निर्माण को लेकर सरकार की ओर से विधानसभा में बधाई प्रस्ताव पेश किया गया। इस प्रस्ताव का समाजवादी पार्टी के सदस्यों की ओर से आवाज आई कि यह जबरदस्ती की बधाई है। हालांकि विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि कोई जबरदस्ती नहीं है, जो सहमत हों वही बधाई दें। प्रस्ताव पेश होने के बाद समाजवादी पार्टी के 14 सदस्यों ने इसके विरोध में हाथ नहीं उठाया। दरअसल बीजेपी चाहती थी कि ये नाम सामने आएं ताकि उनके मतदाताओं को भी पता चल सके उनके प्रतिनिधि राम मंदिर उद्घाटन में ही नहीं गए बल्कि धन्यवाद प्रस्ताव भी उन्हें मंजूर नहीं है वैसे भी जनता को यह जानने का अधिकार है कि विधानसभा में पेश होने वाले प्रस्ताव का हमारे जनप्रतिनिधि का क्या रुख है। मतदाता अपने नेता के किए गए कार्यों के आधार पर ही उसे भविष्य में वोट देना है या नहीं देना है का फैसला लेता है।विधायक शलभ मणि ने मीडिया से कहा कि जिन विधायकों ने सदन में भगवान राम के नाम का विरोध किया, अब वे नहीं चाहते कि उनका नाम सार्वजनिक हो, उन्हें पता है कि भगवान राम के खिलाफ वोट करके वे अपने क्षेत्र में जाएंगे तो लोग ही नहीं उनके परिवार वाले भी उनसे पूछेंगे कि आपने ऐसा क्यूँ किया। यही वजह है कि सपा विधायक ओमवेश जी ने तो प्रभु राम के खिलाफ दिया गया अपना वोट यह कहते हुए वापस ले लिया कि वे पक्के राम भक्त हैं। जो राम और राष्ट्र के साथ नहीं, देश उनके साथ नहीं खड़ा होगा। गौरतलब है की विधानसभा में प्रस्ताव आने के बाद सपा के 97 विधायकों ने योगी सरकार का समर्थन किया। महज 14 विधायकों ने विरोध करते हुए हाथ ऊपर नहीं किया। रालोद के विधायकों का भी समर्थन योगी सरकार को मिला। 14 विधायकों में से एक स्वामी ओमवेश ने अपना विरोध वापस ले लिया है, मतलब अब केवल 13 विधायक ही प्रस्ताव का विरोध करने वाले रह गए हैं। साफ है कि राम मंदिर के नाम पर पार्टी में कभी विधायक दल की बैठक नहीं हुई या राममंदिर मुद्दे पर पार्टी को क्या स्टैंड लेना है इस पर भी पार्टी से सलाह नहीं ली गई। पार्टी पिछले 4 चुनावों से उत्तर प्रदेश में मुंह की इसी लिए खा रही है क्योंकि पार्टी को प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की तरह चलाया जा रहा है। बताया तो यभी गया था कि 2022 में समाजवादी पार्टी के 108 विधायक चुनकर सदन में पहुंचे। जिसमें से करीब 32 विधायक मुस्लिम हैं। आरएलडी के 9 विधायकों में भी करीब 2 विधायक मुस्लिम हैं। समाजवादी पार्टी के कुल 13 लोगों ने राम मंदिर धन्यवाद प्रस्ताव का विरोध किया है। यह विरोध लालजी वर्मा के नेतृत्व में किया गया। दूसरा नाम अखिलेश यादव का भी होगा जाहिर है। अब बचे 11 लोग केवल अखिलेश के पक्ष में बचे। विधानसभा में समाजवादी पार्टी के एक विधायक अब भी पुराने दौर के सपा से बाहर नहीं निकल पाए हैं। यह जानते हुए भी कि 90 प्रतिशत विधायक राम मंदिर के साथ हैं सपा विधायक तूफानी सरोज सदन में कहते हैं कि अगर वो भी होते कारसेवकों पर गोली चलवाते। दरअसल समाजवादी पार्टी पितृ पुरुष मुलायमसिंह यादव ने 1990 में कारसेवकों पर गोली चलवाकर अल्पसंख्यक वोटों के सरदार बन गए थे। समाजवादी पार्टी में अब भी कुछ नेताओं को ऐसा लगता है कि अखिलेश यादव को भी ऐसा करना चाहिए। यही कारण है कि अखिलेश यादव आम जनता का नब्ज नहीं समझ पा रहे हैं। बीजेपी चाहती है कि राम मंदिर पर धन्यवाद प्रस्ताव का विरोध करने वाले विधायकों का नाम उजागर करने के बहाने समाजवादी पार्टी की पोल खोली जा सके। अब तो हद हो गई जब अयोध्या स्थित भव्य राम मंदिर के चढ़ावे को लेकर उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक नया विवाद खड़ा हो गया । समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रविवार को दावा किया कि मंदिर के चढ़ावे में आए करोड़ों रुपये गायब हो गए हैं। इस मामले को लेकर उन्होंने सीधे तौर पर सरकार और मंदिर ट्रस्ट को घेरा है, वहीं श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने इन आरोपों पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। यादव ने इस मामले में अदालत से स्वत: संज्ञान लेने का अनुरोध किया है।

उन्होंने रविवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि समस्त विश्व में भगवान राम के उपासकों के लिए ये एक बेहद संवेदनशील समाचार है कि 'राम मंदिर' के चढ़ावे की करोड़ों की रकम गायब पायी गई है। यादव ने पोस्ट में आगे कहा कि ये मंदिर ट्रस्ट के लिए अत्यंत शर्मनाक स्थिति है। कोई भी सफाई देने के लिए सामने नहीं आना चाहता है। पूर्व मुख्यमंत्री ने यहाँ तक कहा कि अदालत से स्वत: संज्ञान लेने की जरूरत है क्योंकि इसका सीधा संबंध वैश्विक स्तर पर समस्त सनातनी समाज की प्रभु राम में गहरी आस्था से जुड़ा है। सरकार की चुप्पी संदिग्ध है जबकि श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने रविवार को एक बयान में कहा कि श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र का समय-समय पर आंतरिक ऑडिट होता रहता है। इस प्रक्रिया में ट्रस्ट और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के प्रतिनिधि शामिल होते हैं। ऑडिट की प्रक्रिया कई दिनों तक चलती है। इन दिनों भी यही काम हो रहा है। अभी तक कोई खास बात सामने नहीं आई है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के न्यासी और निर्मोही अखाड़े के महंत दिनेन्द्र दास ने अखिलेश यादव के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए मीडिया से कहा अगर इस मामले में किसी ने कुछ गलत किया है, तो भगवान राम स्वयं उन्हें दंडित करेंगे। उन्होंने कहा कि अधिकारियों और सरकार द्वारा लिया गया कोई भी निर्णय ट्रस्ट को स्वीकार्य है। लोगों का कहना है कि अखिलेश यादव पर कई बार हिन्दू विरोधी होने व राम मंदिर विरोधी होने का ठप्पा लग चुका है और यदि उनका आरोप बेबुनियाद व राजनीतिक प्रेरित साबित होता है तो वे शायद अपने 108 सदस्य भी खो देंगे ।

अशोक भाटिया, वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार
,लेखक, समीक्षक एवं टिप्पणीकार

आंचलिक

कालिकिराय में वैदिक विधि से शिव मंदिर निर्माण का शुभारंभ

दैनिक इंदौर संकेत

धार ●जिले की धरमपुरी तहसील के कालिकिराय गांव में गुरुवार को एक शिव मंदिर के निर्माण कार्य का भूमि पूजन के साथ शुभारंभ किया गया। यह धार्मिक आयोजन श्री श्री 1008 निरंजन पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर डॉ. स्वामी कैलाशानंद गिरि जी महाराज के सान्निध्य में हुआ। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री और धार-महू सांसद सावित्री ठाकुर के आमंत्रण पर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरि कालिकिराय पहुंचे। उनके आगमन पर श्रद्धालुओं ने भव्य स्वागत किया। इस दौरान बड़ी संख्या में भक्त गांव पहुंचे, जिससे पूरे क्षेत्र में धार्मिक माहौल बन गया। भूमि पूजन वैदिक मंत्रोच्चार और धार्मिक अनुष्ठानों के बीच विधि-विधान से संपन्न हुआ। मंदिर निर्माण कार्य के शुभारंभ होते ही पूरा वातावरण 'हर-हर महादेव' और

'जय श्रीराम' के जयघोषों से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने इस क्षण को क्षेत्र की धार्मिक और सांस्कृतिक चेतना के लिए महत्वपूर्ण बताया। अपने संबोधन में आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरि ने सनातन धर्म की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति विश्व को मानवता, सेवा, सदाचार और आध्यात्मिकता का संदेश देती है।

स्वामी ने जोर दिया कि मंदिर केवल पूजा स्थल नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने वाले सांस्कृतिक और आध्यात्मिक केंद्र होते हैं। उन्होंने युवाओं से सनातन मूल्यों को अपनाकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान भी किया। इस कार्यक्रम में महामंडलेश्वर श्री नरसिंहदास जी महाराज, सांसद सावित्री ठाकुर, धार विधायक नीना विक्रम वर्मा सहित कई जनप्रतिनिधि और नागरिक उपस्थित थे। अतिथियों ने मंदिर निर्माण को समाज की आस्था, एकता और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक बताया और इसके लिए जनसहयोग का आह्वान किया।

पार्वती बाई धर्मशाला का किराया बढ़ा, सिंगल रूम 300 और हॉल 2500 रुपए में मिलेगा

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने शहर की पार्वती बाई धर्मशाला की व्यवस्थाओं को आधुनिक और पारदर्शी बनाने के लिए कई अहम फैसले लिए हैं। प्रबंधन समिति की बैठक में कमरों, हॉल, पार्किंग और 72 दुकानों के किराए में वृद्धि कर दी गई है। इसके साथ ही आय बढ़ाने और सुविधाओं के विस्तार के लिए संपूर्ण लेनदेन को ऑनलाइन करने का भी निर्णय लिया गया है। कलेक्टर ने निर्देश दिए हैं कि धर्मशाला में मिलने वाले कमरों में अब कूलर सहित अन्य जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। इसके आधार पर सिंगल बेड रूम का किराया 300 रुपए और डबल बेड रूम का 500 रुपए निर्धारित किया गया है। वहीं, धर्मशाला के हॉल का किराया भी 800 रुपए से बढ़ाकर सीधे 2500 रुपए कर दिया गया है।

कलेक्टर ने एसडीएम को निर्देश दिए हैं कि ट्रस्ट की 72 दुकानों का किराया अब प्रति वर्गफीट के आधार पर तय किया जाए। ये नई दरें 1 जुलाई 2026 से लागू होंगी और नियमित किराया नहीं देने वालों से दुकानें खाली कराई जाएंगी। इसके अलावा परिसर में 2.50 लाख रुपए की लागत से एक नया और आकर्षक मीटिंग हॉल भी तैयार किया जाएगा।

धर्मशाला के कामकाज में पूरी पारदर्शिता लाने के लिए सभी वित्तीय लेनदेन ऑनलाइन करने का निर्णय लिया गया है। बैंक ऑफ महाराष्ट्र की पीओएस मशीन से डिजिटल भुगतान होगा और विशेष परिस्थिति में केवल एक हजार रुपए तक ही नकद लिए जा सकेंगे। आय बढ़ाने के लिए परिसर में वाहनों की पार्किंग का शुल्क भी 50 रुपए से बढ़ाकर 100 रुपए प्रतिदिन कर दिया गया है।

धर्मशाला परिसर में स्थित सत्यनारायण मंदिर के जीर्णोद्धार और विकास पर करीब 55 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे। कलेक्टर ने इसके लिए तत्काल टेंडर प्रक्रिया शुरू करने और मुख्य मार्ग पर एक आकर्षक प्रवेश द्वार बनाने के निर्देश दिए हैं। मंदिर के मुख्य द्वार के पास स्थित नाली की मरम्मत और सफाई का काम नगर निगम के सहयोग से कराया जाएगा।

धर्मशाला में काम करने वाले कर्मचारियों का वेतन बढ़ाने के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन किया गया है। इस समिति में जिला कोषालय अधिकारी, कलेक्ट्रेट स्थापना शाखा प्रभारी और जिला पंचायत के लेखा अधिकारी शामिल होंगे, जो वेतन वृद्धि की अनुशंसा करेंगे। इसके साथ ही यह तय किया गया है कि अब हर महीने के दूसरे गुरुवार को प्रबंधन समिति की नियमित बैठक होगी, जिसमें सदस्य वर्चुअल तरीके से भी जुड़ सकेंगे। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष पिंकी वानखेड़े, अपर कलेक्टर सृष्टि देशमुख गौड़ा और सिटी मजिस्ट्रेट बजरंग बहादुर सहित ट्रस्ट के अन्य प्रतिनिधि मौजूद रहे।

ग्रामीणों ने स्वयं की नालियों की सफाई, शिकायत के बावजूद नगर परिषद ने नहीं की कार्रवाई

दैनिक इंदौर संकेत

मांडू ● नगर परिषद क्षेत्र में नालियों की नियमित सफाई न होने से परेशान होकर ग्रामीणों ने स्वयं सफाई का जिम्मा उठाया। गुरुवार को वार्ड क्रमांक 4 और 2 के रहवासियों ने फावड़े और पिकअप वाहन की मदद से महीनों से जमा गाद और गंदगी को साफ किया।

लंबे समय से नालियों में गंदगी जमा होने के कारण क्षेत्र में दुर्गंध फैल रही थी और मच्छर-मक्खियों का प्रकोप बढ़ गया था। प्री-मानसून बारिश शुरू होने के बाद यह गंदगी बारिश के पानी के साथ घरों के सामने जमा हो रही थी, जिससे छोटे बच्चों और अन्य रहवासियों के स्वास्थ्य को लेकर चिंता बढ़ गई थी। ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने इस समस्या को लेकर कई बार शिकायतें की थीं। क्षेत्र में त्योहारों और शादी समारोहों के दौरान भी उन्हें गंदगी के कारण परेशानी का सामना करना पड़ता था। सुनवाई न होने पर ग्रामीणों ने मिलकर सफाई करने का निर्णय लिया। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि पिछले एक महीने से वार्ड में गंदगी से नालियों को लेकर वार्ड पार्षद और ग्रामीणों ने विभाग के अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से कई बार शिकायतें कीं, लेकिन इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया गया। वार्ड पार्षद ने भी कई

बार यह समस्या उठाई, लेकिन उनकी बातों को अनसुना कर दिया गया।

नगर परिषद से नियमित सफाई की मांग

ग्रामीणों ने नगर परिषद से नियमित सफाई की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा उत्पन्न न हो। उन्होंने अपनी शिकायतें और सफाई अभियान की तस्वीरें व व्हाट्सएप ग्रुप पर भी साझा किए। नगर में मानसून के दौरान जलभराव की समस्या लगातार बढ़ रही है। कई स्थानों पर नालियां अवरुद्ध होने के कारण बारिश का पानी सड़कों और घरों के आसपास जमा हो रहा है, जिससे मच्छरों के पनपने और मौसमी बीमारियों का खतरा बढ़ गया है।

दो दिन की बारिश से सब्जियों को फायदा, गिलकी लौकी, गोभी, टमाटर जैसी फसलें लहलहाईं

दैनिक इंदौर संकेत

मनावर ● विकासखंड में पिछले दो दिनों से हो रही बारिश ने हरी सब्जियों की फसलों को फायदा पहुंचाया है। इस बारिश से किसानों को काफी राहत मिली है और खेतों में गिलकी, लौकी, गोभी, टमाटर, शिमला मिर्च व देसी मिर्च जैसी सब्जियां लहलहा उठी हैं। ग्राम बालिपुर के किसान राजू देवड़ा ने बताया कि बारिश से फसलें अच्छी हुई हैं और पिछले साल के मुकाबले इस बार सब्जी का रकबा भी करीब 10% बढ़ा है।

किसान देवड़ा ने बताया कि फूल गोभी, शिमला मिर्च, पत्ता गोभी, देसी मिर्च और पालक जैसी सब्जियों के लिए यह बारिश विशेष रूप से अच्छी रही है। लगातार हुई बूंदाबांदी से पत्तीदार सब्जियों तथा अन्य फसलों पर जमा कार्बन पूरी तरह धुल गया है, जिससे फसलें साफ और चमकदार हो गई हैं। दो दिनों की इस बारिश ने किसानों को सिंचाई के खर्च से तत्काल राहत दी है।

मौसम विभाग ने पिछले 24 घंटों के दौरान हुई अच्छी बारिश और दक्षिण-पश्चिम से आ रही नमी वाली हवाओं के आधार पर मानसून के आने की आधिकारिक घोषणा कर दी है। विभाग के मुताबिक, प्रदेश के बाकी हिस्सों को अगले 2 से 3 दिनों में मानसून पूरी तरह कवर कर लेगा। इसी के साथ गुरुवार को प्रदेश के 46 जिलों में आंधी और बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

आज टीम इंडिया आयरलैंड के साथ खेलेगी पहला टी-20

बेलफास्ट (एजेंसी) ● टी-20 वर्ल्ड कप 2026 का खिताब जीतने के बाद भारतीय क्रिकेट टीम अब अपने अगले बड़े लक्ष्यों की ओर कदम बढ़ा रही है। टीम इंडिया की नजरें अब साल 2028 में होने वाले अगले टी-20 वर्ल्ड कप और लॉस एंजल्स ओलंपिक पर टिकी हैं, जहां क्रिकेट को टी-20 फॉर्मेट में ही खेला जाना है। इस मिशन की शुरुआत भारत 26 और 28 जून को बेलफास्ट में मेजबान आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की टी-20 सीरीज से करने जा रहा है। भविष्य की तैयारियों को देखते हुए सिलेक्टर्स ने इस दौरे के लिए एक बेहद युवा और नई टीम पर भरोसा जताया है। श्रेयस अय्यर को टी20 टीम की कमान सौंपी गई है। टीम में अर्शदीप सिंह, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, ईशान किशन और संजू सैमसन जैसे चेहरे तो शामिल हैं, लेकिन इसके साथ ही कई नए युवा खिलाड़ियों को मौका मिला है। इसमें वैभव सूर्यवंशी, सुयांश शेडगे और अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे डेब्यू कर चुके प्रिंस यादव के नाम शामिल हैं।

ऑस्ट्रेलिया को हराओ तो नेट रन रेट के चक्रव्यूह में फंसेगा भारत का सेमीफाइनल

नई दिल्ली (एजेंसी) ● भारत ने महिला टी20 विश्व कप में बांग्लादेश के खिलाफ पांच विकेट की बेहद अहम जीत दर्ज कर अपनी सेमीफाइनल की उम्मीदों को मजबूत कर लिया है। यह मैच 'विमेन इन ब्लू' के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से कोसों दूर था, लेकिन अंततः मैच को अपने नाम करना ही सबसे सकारात्मक पहलू रहा। बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबला भारतीय टीम के लिए आंखें खोलने वाला रहा। पहली पारी में भारतीय फील्डर्स का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक था, जहां उन्होंने लगभग आधा दर्जन कैच टपकाए। फील्डिंग में इस ढिलाई की वजह से बांग्लादेशी टीम एक सम्मानजनक स्कोर खड़ा करने में सफल रही। इसके बाद, जब भारतीय टीम लक्ष्य का पीछा करने उतरी, तो बल्लेबाजों ने कुछ बेहद गैर-जिम्मेदाराना और अजीबोगरीब शॉट्स खेलकर अपने विकेट गंवाए। मैदान पर जैसी अफरा-तफरी दिखी, उससे मैच किसी भी तरफ पलट सकता था। लेकिन अंत में अनुभव काम आया और टीम ने पांच विकेट शेष रहते मुकाबला अपने नाम कर लिया। भले ही खेल के हर विभाग में कमियां नजर आईं, लेकिन अंक तालिका में दो महत्वपूर्ण अंक हासिल करना इस वक्त सबसे ज्यादा मायने रखता है। बांग्लादेश को हराने के बाद भी भारत की सेमीफाइनल में जगह अभी गणितीय रूप से पक्की नहीं हुई है। ग्रुप स्टेज में भारत का अब सिर्फ एक मैच बाकी है, जो 28 जून को लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर अजेय चल रही ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाफ होना है। ग्रुप में केवल दक्षिण अफ्रीका ही एक ऐसी टीम है जो अभी भी भारत को पीछे छोड़ सकती है। अफ्रीका को सेमीफाइनल की रेस में बने रहने के लिए अपने बाकी बचे दोनों मैच (गुरुवार को नीदरलैंड्स और रविवार को बांग्लादेश के खिलाफ) हर हाल में जीतने होंगे। अगर प्रोटियाज टीम इन दोनों मैचों को जीत लेती है, तो वह 8 अंकों पर पहुंच जाएगी। अगर दक्षिण अफ्रीका अपने दोनों मैच जीतती है, तो भारत को भी सेमीफाइनल का टिकट पक्का करने के लिए ऑस्ट्रेलिया को हर हाल में हराना होगा। ऐसी स्थिति में भारत और दक्षिण अफ्रीका दोनों के 8-8 अंक हो जाएंगे, और फैसला नेट रन रेट के आधार पर होगा। भारत के लिए इस टूर्नामेंट में सबसे बड़ा झटका नीदरलैंड्स के खिलाफ मिली हार थी, जिसने समीकरण बिगाड़ दिया। हालांकि, डच टीम को ऑस्ट्रेलिया से मिली 65 रनों की करारी शिकस्त का खामियाजा भुगतना पड़ा है, जिससे उनका खुद का रन रेट काफी पिछड़ गया है। यदि दक्षिण अफ्रीका अपने दो आगामी मैचों में से एक भी मुकाबला हार जाती है, तो वह अधिकतम 6 अंकों तक ही पहुंच पाएगी। ऐसी स्थिति में भारत की राह बेहद आसान हो जाएगी। तब दक्षिण अफ्रीका को सेमीफाइनल में जाने के लिए किसी चमत्कार की जरूरत होगी। जैसे उन्हें अपना दूसरा मैच बेहद भारी अंतर से जीतना होगा और यह दुआ करनी होगी कि ऑस्ट्रेलिया भारत को बहुत बुरी शिकस्त दे, ताकि नेट रन रेट का पासा पूरी तरह पलट जाए। दिलचस्प बात यह है कि 28 जून को भारत और ऑस्ट्रेलिया का मैच शुरू होने से पहले दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश का मैच खत्म हो चुका होगा।

मुक्ति मोहन ने अभिनय, नृत्य और मंच पर बनाई अलग पहचान

मुंबई (एजेंसी) ● मुक्ति मोहन मनोरंजन उद्योग का एक प्रसिद्ध चेहरा हैं। मुक्ति अपने परिवार में चार बहनों में से एक हैं; नीति मोहन और शक्ति मोहन के अलावा उनकी एक और बहन कृति मोहन भी हैं। मुक्ति मोहन एक कुशल अभिनेत्री होने के साथ-साथ एक शानदार नृत्यांगना और प्रभावशाली होस्ट भी हैं। अपनी कला के क्षेत्र में अलग पहचान बना चुकी हैं। मुक्ति मोहन ने अपने अभिनय और हुनर का जादू कई फिल्मों, सीरियलों, वेब सीरीज और रियलिटी शो में बिखेरा है। उन्होंने अपने अभिनय करियर की शुरुआत 2007 में विशाल भारद्वाज की समीक्षकों द्वारा प्रशंसित शॉर्ट फिल्म ब्लड ब्रदर्स से की, जिसने उन्हें एक नई पहचान दी। इसके बाद, वह स्टार प्लस के एक लोकप्रिय डांस रियलिटी शो जरा नचके दिखा 2 में नजर आईं, जहाँ उनकी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब जीता। इस उपलब्धि ने उन्हें एक कुशल डांसर के रूप में काफी प्रसिद्धि दिलाई और उनके करियर को एक नई दिशा दी। इसके उपरांत, उन्होंने कॉमेडी सर्कस का जादू जैसे टीवी शो में अपनी हास्य प्रतिभा का प्रदर्शन किया और सिंगिंग रियलिटी शो दिल है हिंदुस्तानी 2 में भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। वह झलक दिखला जा और नच बलिए 7 जैसे प्रतिष्ठित डांस रियलिटी शोज में एक प्रतियोगी के तौर पर नजर आ चुकी हैं, जहाँ उन्होंने अपनी नृत्य कला का लोहा मनवाया। इसके साथ ही, उन्होंने साहसिक रियलिटी शो फियर फैक्टर: खतरों के खिलाड़ी 7 में भी हिस्सा लिया, जिसने उनके निडर और साहसी व्यक्तित्व को उजागर किया।

योग और संगीत ने जिंदगी में लाए गहरे बदलाव: एलनाज नौरोजी

मुंबई (एजेंसी) ● अभिनेत्री एलनाज नौरोजी का कहना है कि योग और संगीत ने उनकी व्यक्तिगत और व्यावसायिक जिंदगी में एक गहरा और परिवर्तनकारी बदलाव लाने वाली भूमिका निभाई है। एलनाज ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा, योग और म्यूजिक, दोनों से मुझे हमेशा एक जैसा सुकून मिला है। दोनों के लिए जरूरी है कि आप थोड़ा ठहरें, वर्तमान में रहें और अपने अंदर की गहराई से जुड़ें। वह इस बात पर जोर देती हैं कि दोनों ही गतिविधियां व्यक्ति को बाहरी दुनिया के शोर से दूर होकर अपने भीतर झाँकने और आत्म-जागरूकता बढ़ाने का अवसर देती हैं। एक कलाकार के तौर पर अपनी व्यस्त जिंदगी का जिक्र करते हुए उन्होंने आगे कहा, एक आर्टिस्ट के तौर पर, मेरी जिंदगी अक्सर यात्रा, परफॉर्मेंस और लगातार भागदौड़ से भरी रहती है, इसलिए योग मुझे इस व्यस्तता के बीच संतुलन बनाने में मदद करता है, जबकि म्यूजिक मुझे उन भावनाओं को जाहिर करने में मदद करता है, जिन्हें कभी-कभी शब्दों में नहीं कहा जा सकता।

उज्जैन संभाग

मोहर्रम के जुलूस में हमले का प्रदर्शन, क्रेन पर वैन लटकाई और विस्फोट से उड़ा दिया

दैनिक इंदौर संकेत

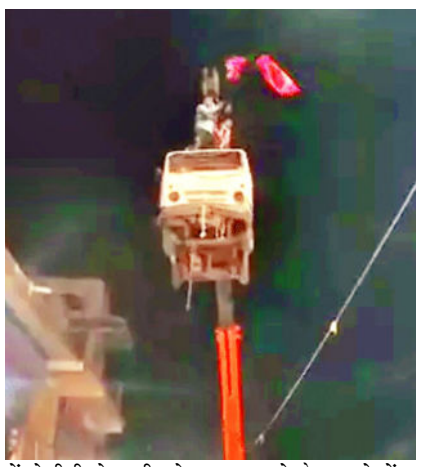

उज्जैन ● बड़नगर में मोहर्रम के जुलूस के दौरान एक वैन में किए गए विस्फोट का वीडियो सामने आया है। घटना 23 जून की रात की बताई जा रही है। बड़नगर के अडान मोहल्ले से निकले जुलूस में बड़ी संख्या में लोग शामिल थे। जुलूस में एक वैन को क्रेन की मदद से करीब 40 फीट ऊंचाई पर लटकाया गया। वैन पर दो युवक खड़े होकर लाल झंडे लहराते रहे। इसके बाद वैन में विस्फोट कर उसे उड़ा दिया गया। जिस वैन में ब्लास्ट किया गया, उस पर 'ले फिर आ गए' लिखा था।

एक इंस्टाग्राम आईडी पर इस घटना के वीडियो शेयर किए गए थे। वीडियो में कार में विस्फोट के अलावा युवकों के अलग-अलग प्रदर्शन भी दिखाई दे रहे हैं। कुछ वीडियो में अलग-अलग तरह के विस्फोट नजर आते हैं। वहीं, हुसैनी अखाड़ा शाहजलालपुरा के कार्यक्रम में भी एक युवक को लटकाकर कई तरह के प्रदर्शन किए गए। इधर, हिंदू जागरण मंच के रितेश माहेश्वरी ने बताया कि मोहर्रम के जुलूस के दौरान एक बड़ी क्रेन पर एक वैन लटकाई गई थी, जिस पर कई आपत्तिजनक पोस्टर लगाए गए थे। उन्होंने कहा कि सकल हिंदू समाज की मांग है कि जिला प्रशासन स्पष्ट करे कि इस तरह की गतिविधि की अनुमति दी गई थी या नहीं। इस घटनाक्रम से जुड़े कई फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर भी अपलोड किए गए हैं। एडिशनल एसपी करनदीप सिंह ने बताया कि मोहल्ले में जेसीबी से गाड़ी को ब्लास्ट करने के मामले में 4 लोगों के खिलाफ बीएनएस की धारा के तहत केस दर्ज किया गया है। जल्द ही चारों को गिरफ्तार किया जाएगा।

एएसपी ने बताया कि जुलूस की अनुमति दी गई थी, लेकिन विस्फोटक की कोई परमिशन नहीं थी। कार में विस्फोट करना गैर कानूनी है। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि यहां अखाड़ों का आपस में कॉम्प्टिशन चलता है। ज्यादा से ज्यादा जनता को अट्रैक्ट और व्यूज पाने के लिए ऐसा काम करते हैं।

महाकाल वीआईपी रूट पर ऑटो-ई-रिक्शा प्रतिबंधित

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● विश्व प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर क्षेत्र में बढ़ते ट्रैफिक दबाव और जाम की समस्या को देखते हुए प्रशासन और पुलिस ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। महाकाल मंदिर पहुंचने वाले प्रमुख मार्गों पर ऑटो रिक्शा और ई-रिक्शा के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। यह प्रतिबंध हरिफाटक ब्रिज से महाकाल चौराहा (बेगमबाग, नीलकंठ द्वार), लोहे के पुल से महाकाल चौराहा, गुदरी से महाकाल चौराहा और चारधाम मंदिर से हरसिद्धि चौराहा तक लागू किया गया है। लंबे समय से महाकाल मंदिर जाने वाले इन प्रमुख मार्गों पर ट्रैफिक जाम एक बड़ी समस्या बना हुआ था।

बेगमबाग, महाकाल घाटी, गुदरी चौराहा, नीलकंठ द्वार और हरसिद्धि क्षेत्र में अक्सर ऐसी स्थिति बन जाती थी कि दोपहिया वाहन चालकों को भी निकलने में कठिनाई होती थी। चार पहिया वाहन यदि इन मार्गों में फंस जाते थे, तो उन्हें बाहर निकलने में एक से दो घंटे तक का समय लग जाता था। इस समस्या का प्रभाव केवल महाकाल क्षेत्र तक सीमित नहीं था, बल्कि गोपाल मंदिर, दौलतगंज, कंठाल और हरिफाटक ओवरब्रिज तक यातायात व्यवस्था प्रभावित होती थी। समस्या की गंभीरता को देखते हुए सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में विस्तृत चर्चा की गई। समीक्षा के दौरान यह सामने आया कि संकरी सड़कों पर बड़ी संख्या में संचालित हो रहे ऑटो और ई-रिक्शा ट्रैफिक जाम के प्रमुख कारणों में से एक हैं। इसके बाद प्रशासन ने हरिफाटक ब्रिज से महाकाल चौराहा (बेगमबाग-नीलकंठ द्वार मार्ग), लोहे के पुल से महाकाल चौराहा, गुदरी से महाकाल चौराहा तथा चारधाम मंदिर से हरसिद्धि चौराहा तक ऑटो और ई-रिक्शा के संचालन पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया।

गुरुवार सुबह से ही प्रतिबंधित मार्गों पर पुलिस बल तैनात कर दिया गया। यातायात पुलिस ने ऑटो और ई-रिक्शा चालकों को निर्धारित वैकल्पिक मार्गों की जानकारी देते हुए प्रतिबंधित क्षेत्रों में प्रवेश से रोका। प्रतिबंध के पहले ही दिन इन मार्गों पर वाहनों का दबाव कम दिखाई दिया, जिससे श्रद्धालुओं को मंदिर तक पहुंचने में अपेक्षाकृत कम परेशानी का सामना करना पड़ा। इस संबंध में ऑटो यूनियन और ई-रिक्शा संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक भी आयोजित की गई है।

लंबे इंतजार के बाद मानसून की दस्तक गरज-चमक के साथ जमकर बरसे बदरा

दैनिक इंदौर संकेत

खातेगांव ● बारिश का सिलसिला लगभग डेढ़ घंटे तक जारी रहा। क्षेत्र में अच्छी बारिश दर्ज की गई। इस दौरान आसमान में बिजली की चमक और बादलों की गड़गड़ाहट के साथ मौसम सुहावना हो गया।क्षेत्र के लोग पिछले कई दिनों से मानसून का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। बीते दो दिनों से मौसम में बदलाव दिख रहा था, लेकिन हल्की बूंदाबांदी के बाद बादल छंट जाते थे। बुधवार को हुई झमाझम बारिश ने इस लंबे इंतजार को समाप्त कर दिया। इस बारिश से किसानों को सबसे अधिक राहत मिली है। क्षेत्र के अधिकांश गांवों में सोयाबीन की बुवाई का लगभग 75 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। किसान अच्छी बारिश का इंतजार कर रहे थे, ताकि फसलों को पर्याप्त नमी मिल सके और अंकुरण बेहतर हो। किसानों का मानना है कि यह बारिश खरीफ सीजन के लिए लाभदायक साबित होगी। आमतौर पर खातेगांव क्षेत्र में मानसून 15 जून के आसपास सक्रिय हो जाता है, लेकिन इस वर्ष यह करीब दस दिन की देरी से पहुंचा है। देरी के कारण किसान चिंतित थे, लेकिन अब अच्छी बारिश के बाद उनके चेहरों पर संतोष दिख रहा है। बारिश से आम लोगों को भी गर्मी और उमस से राहत मिली है। पिछले कुछ दिनों से 33 डिग्री सेल्सियस तापमान और बढ़ी हुई नमी के कारण लोग परेशान थे। बारिश के बाद तापमान में गिरावट आई और मौसम खुशनुमा हो गया। मौसम विभाग के अनुसार, आगामी कुछ दिनों तक क्षेत्र में इसी तरह बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है, जिससे किसानों और आमजन दोनों को लाभ मिलने की उम्मीद है।

पुलिस ने गुम हुए मोबाइल लौटाए और 1 टैबलेट को उनके मालिक को सौंपा

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● नीलगंगा थाना क्षेत्र से चोरी या गुम हुए मोबाइल को ट्रेस कर उनके मालिक तक पहुंचाने का पुलिस ने किया है। अपने मोबाइल पर मिलने लोगो ने पुलिस का आभार भी माना है। इससे पहले भी कई बार पुलिस गुम हुए मोबाइल को उनके मालिक को सौंप चुकी है। सेफ क्लिक 2.0 अभियान को मिली बड़ी सफलता में पुलिस ने पोर्टल की मदद से लगभग 8 लाख रुपए मूल्य के 27 मोबाइल फोन एवं 1 टैबलेट को बरामद किया है। नीलगंगा थाना पुलिस ने सीएसपी दीपिका शिंदे एवं थाना प्रभारी तरुण करील पोर्टल की सहायता से मिले 27 मोबाइल फोन एवं 1 टैबलेट को सफलतापूर्वक ट्रैक कर बरामद कर उनके मालिक को सौप दिया। अपने खोए हुए मोबाइल वापस पाकर नागरिकों ने उज्जैन पुलिस के प्रयासों की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया। पुलिस द्वारा 'सेफ क्लिक 2.0' जनजागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के माध्यम से नागरिकों को साइबर सुरक्षा, ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव, डिजिटल प्लेटफॉर्म के सुरक्षित उपयोग तथा मोबाइल गुम होने की स्थिति में पोर्टल के उपयोग संबंधी जानकारी प्रदान की जा रही है।

कर्बला में मेले की मंजूरी बनी विवाद का मसला, जिला प्रशासन- निगम आयुक्त और मेयर के बीच कोल्ड वॉर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर में कर्बला मैदान पर मेले की मंजूरी देने में बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव पहले ही इस मेले की मंजूरी नहीं देने की बात कह चुके थे। लेकिन निगम से मंजूरी जारी हो गई। इंदौर में कर्बला मैदान पर मेले का विवाद राजनीतिक और प्रशासनिक विवाद बन गया है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने मंजूरी देने से मना कर दिया था। लेकिन इसके बाद एक दिन पहले गुरुवार शाम को निगम ने मंजूरी दे दी।

बताया जा रहा है कि कलेक्टर शिवम वर्मा ने बीती मंजूरी को देखते हुए इसमें दखल दिया और इंदौर निगमायुक्त आईएएस क्षितिज सिंघल को फोन किया। इसके बाद यह मंजूरी दी गई।

महापौर ने अर्जेंट एमआईसी बुलाई-महापौर ने मंजूरी की खबर लगते ही रात को ही अर्जेंट एमआईसी वर्चुअली बुलाई। इसमें सभी एमआईसी सदस्य और निगमायुक्त व अन्य अधिकारी

मौजूद थे।

महापौर ने पूछा मंजूरी क्यों और कैसे दी गई। इस पर बात आई की प्रशासन के फोन के चलते दी गई महापौर ने सख्त आपत्ति ली कि जब बीती बार 2025 में मंजूरी दी और उनकी शर्तों का उल्लंघन किया गया तो इस बार मंजूरी कैसे दे सकते हैं। इस मंजूरी देने के कृत्य को निंदनीय बताया गया।

एमआईसी ने किया यह प्रस्ताव पास-इसके बाद एमआईसी सदस्यों ने भी आपत्ति ली और कहा कि इसे रद्द किया जाना चाहिए। आखिर में प्रस्ताव पास किया गया कि इस जारी मंजूरी को संशोधित किया जाए और केवल वहां ताजिए ठंडे करने की ही मंजूरी दी जाए। मेला और दुकान नहीं लग सकती है। कारण है कि यह निगम की जमीन है और बीती बार भी इन्होंने दुकानें लगाई और इसका किराया भी निगम के खाते में जमा नहीं कराकर शर्तों का उल्लंघन किया था। इस बार भी मंजूरी के पहले ही मौके पर दुकानें लगने लगी है, जो नियम विरूद्ध है।

कर्बला जमीन पर मेले से उठे विवाद से हिंदू सगठन नाराज

इंदौर में कर्बला जमीन (धोबी घाट) पर मेले को मंजूरी मिल गई है। इसे लेकर तीन दिन से गतिरोध कायम था। सालों से परंपरानुसार यहां मेले का आयोजन होता है। लेकिन सितंबर 2024 में कोर्ट में निगम इस जमीन को जीत चुका है। पहले यह जमीन वक्फ बोर्ड की मानी जाती थी। बीते साल मेले की मंजूरी मिली थी लेकिन इस बार महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने मंजूरी देने से साफ इंकार कर दिया। दरअसल हिंदू संगठनों ने महापौर से कहा था कि मेले की मंजूरी नहीं दी जाना चाहिए, यह जमीन निगम की है। यदि ऐसा होता है तो फिर वहां हनुमान मंदिर भी है, तो हमारे द्वारा भी भंडारे, आयोजन के लिए मंजूरी मांगी जाएगी, वह भी दी जाए। विवादों को टालने के लिए महापौर ने इस बार मंजूरी नहीं दी थी लेकिन सूत्रों के अनुसार भोपाल स्तर तक विवाद की बात पहुंची। इसके बाद अधिकारियों से बात की गई। इसके बाद यह मंजूरी गुरुवार को जारी कर दी गई। इंदौर वक्फ कमेटी के जिलाध्यक्ष रेहान शेख ने कहा कि हमारे ही समाज के कुछ खुराफाती लोग थे जिन्होंने नेगेटिव बातें पहुंचाई थी। बैठक में यह सभी असमंजस दूर हुए। इसके लिए शासन, प्रशासन, नगर निगम सभी को धन्यवाद। वहीं एक दिन पहले तक जो हिंदू संगठन मेले की मंजूरी नहीं होने पर महापौर को धन्यवाद दे रहे थे, वह अब वीडियो बनाकर सवाल उठा रहे हैं। हिंदू जागरण मंच के सुमित हार्डिया ने कहा कि महापौर की ऐसी क्या मजबूरी थी कि यह मंजूरी दी गई या फिर निगम अधिकारियों ने उनकी बात ही नहीं मानी। धोबी घाट की 6.7 एकड़ जमीन को लेकर लंबे समय कोर्ट में विवाद चला। सितंबर 2024 में जिला कोर्ट ने मामले में फैसला सुनाते हुए साफ किया था कि यह जमीन नगर निगम के स्वामित्व की है। कोर्ट ने इस 6.7 एकड़ जमीन में से सिर्फ 0.02 एकड़ जमीन ताजिए ठंडा करने के लिए होने की बात कही थी। कोर्ट ने फैसले में स्पष्ट किया था कि 0.02 एकड़ जमीन पर ताजिए ठंडे करने की अनुमति रहेगी, शेष जमीन इंदौर नगर निगम की है।

एसपीएस से आईपीएस बनेंगे 9 अफसर

आज डीपीसी बैठक में अफसरों की पदोन्नति पर होगा फैसला

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्यप्रदेश में नौ राज्य पुलिस सेवा अफसरों को आईपीएस बनाने के लिए आज डीपीसी बैठक होगी। इसमें 1997 और 1998 बैच के कुल 27 नामों पर विचार होगा। अमृत मीणा और राजेश मिश्रा की पदोन्नति अटक सकती है। मध्यप्रदेश में राज्य पुलिस सेवा के अफसरों के लिए आज का दिन बेहद अहम है। गुरुवार, 25 जून को एक बड़ी बैठक होने वाली है। इसमें नौ अफसरों को आईपीएस बनाने पर फैसला होगा। यह बैठक गृह विभाग के प्रस्ताव पर संघ लोक सेवा आयोग की मंजूरी के बाद होने वाली है। बैठक में मुख्य सचिव अनुराग जैन, डीजीपी कैलाश मकवाना और यूपीएससी के प्रतिनिधि शामिल रहेंगे। इस बार डीपीसी में 1997 और 1998 बैच के अफसरों के नामों पर विचार होगा। दोनों बैच मिलाकर कुल 27 नाम सामने हैं।

किन अफसरों के नाम हैं सूची में- 1997 बैच से सीताराम ससत्या और अमृत मीणा के नाम डीपीसी में शामिल हैं। बैच 1998 से निमिषा पांडेय, राजेश मिश्रा, मलय जैन, अमित सक्सेना, मनीषा सोनी, सुमन गुर्जर, संदीप मिश्रा, सब्यसाची सर्राफ, समर वर्मा और सत्येन्द्र सिंह तोमर के नाम हैं। इन सभी समेत कुल 27 अफसर इस बार की डीपीसी के दायरे में आते हैं। इन नामों में से नौ अफसरों को आईपीएस अवार्ड की सिफारिश की जाएगी। बाकी नामों पर अलग-अलग कारणों से विचार नहीं हो सकता या उनका मामला लंबित रह सकता है।

इन दो अफसरों की राह में अड़चन

अमृत मीणा के मामले में जाति प्रमाण पत्र का विवाद है। इस कारण उनकी डीपीसी अटक सकती है। राजेश मिश्रा के खिलाफ विभागीय जांच चल रही है। इसके चलते उनका भी मामला लटक सकता है। इन दोनों का लिफाफा बंद रखा जा सकता है यानी डीपीसी में इनके नाम पर फैसला नहीं होगा। लिफाफा बंद होने का मतलब होता है कि संबंधित अफसर की पदोन्नति फिलहाल के लिए रोक दी जाती है।

बिल्डर मालपानी बंधुओं और नगरीय प्रशासन विभाग के आईएएस का विवाद हाईकोर्ट पहुंचा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर के एक बड़े ग्रुप तिरूमाला के मालिक निलेश मालपानी की 21 मार्च की एक पोस्ट ने भोपाल तक हड़कंप मचा दिया था। इसमें नगरीय प्रशासन विभाग के दो आईएएस को लेकर विवादित टिप्पणी की गई थी। अब यह लड़ाई हाईकोर्ट पहुंच गई है। इंदौर के तिरूमाला ग्रुप के मालिक और शुभ-लाभ रियलिटी के डायरेक्टर निलेश मालपानी ने 21 मार्च को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट डाली थी। इसमें उन्होंने नगरीय प्रशासन विभाग के आईएएस अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाए थे।

उनका आरोप था कि सिस्टम में भ्रष्टाचार फैला हुआ है और अधिकारी महीनों फाइल को दबाए बैठे रहते हैं। लाखों रुपए की मांग की जाती है। दरअसल अक्टूबर 2025 से उनके कॉलोनी लाइसेंस को मंजूरी नहीं मिलने से वह भड़के हुए थे। इस पोस्ट के बाद भी उनका लाइसेंस नहीं हुआ है और अब मामला हाईकोर्ट की

इंदौर बेंच तक पहुंच गया है। इसमें शासन से जवाब मांगा गया है।

मालपानी ने सोशल मीडिया पर लिखा था कि कुछ अधिकारी पूरी तरह भ्रष्टाचार में डूबे हुए हैं। इससे शहर का विकास रुक गया है। उनका कहना था कि इससे सरकार को करोड़ों का राजस्व समय पर नहीं मिल पा रहा और हजारों लोगों को रोजगार भी नहीं मिलगा। उन्होंने आरोप लगाया कि जो लाइसेंस 15 दिन में मिल जाना चाहिए, उसे अधिकारी 5-6 महीने तक अटका कर बैठे रहते हैं और कोई सुनवाई नहीं होती। उनके मुताबिक शहर के कई बिल्डर और कॉलोनाइजर इस वजह से परेशान हैं और लगातार दफ्तरों के चक्कर काट रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि लोग समय पर टैक्स तो जमा करते हैं, लेकिन काम कराने के लिए परेशान होना पड़ता है। ऐसे में सवाल उठता है कि इन अधिकारियों की जवाबदेही तय करने वाला कोई सिस्टम क्यों नहीं है। उनका दावा था कि इससे लोगों को करोड़ों का नुकसान हो रहा है और काम जानबूझकर रोका जा रहा है। अब मनोज और निलेश मालपानी दोनों ने इंदौर हाईकोर्ट में याचिका दायर कर कॉलोनी लाइसेंस की मांग की है।

तुलसीनगर में अवैध शराब निर्माण फैक्ट्री का भंडाफोड़, 144 बल्क लीटर मदिरा जब्त

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● जिला प्रशासन एवं आबकारी विभाग द्वारा मुश्तैदी से समय रहते की गई सुनियोजित कार्रवाई में इंदौर के तुलसीनगर क्षेत्र में संचालित एक अवैध मदिरा निर्माण इकाई का भंडाफोड़ किया गया है। इस अवैध गतिविधि पर समय रहते अंकुश लगाए जाने से संभावित अप्रिय घटनाओं तथा जनस्वास्थ्य एवं कानून-व्यवस्था से जुड़े गंभीर जोखिमों को टालने में सफलता मिली है। कलेक्टर के निर्देशानुसार तथा सहायक आबकारी आयुक्त अभिषेक तिवारी के मार्गदर्शन में अवैध मदिरा के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत आबकारी विभाग ने यह महत्वपूर्ण कार्रवाई की। कंट्रोलर देवेश चतुर्वेदी, डिप्टी कंट्रोलर मनोज अग्रवाल, सहायक जिला आबकारी अधिकारी जहांगीर खान एवं सी.के. साहू के नेतृत्व में गठित टीमों ने तीन दिनों तक सिविल ड्रेस में गोपनीय निगरानी कर संदिग्ध गतिविधियों की पुष्टि की।

बीईओ के 20.47 करोड़ के गबन में ईडी ने धार जिले में किए 56 भूखंड अटैच

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● आलीराजपुर जिले में बीईओ (ब्लॉक एजुकेशन ऑफिसर) कमल राठौर द्वारा किए गए 20.47 करोड़ के गबन में ईडी ने बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने जांच के बाद 56 भूखंड़ अटैच कर लिए हैं। यह भूखंड गंधवानी धार जिले में श्रीबालाजी धाम कॉलोनी में हैं। इंदौर ईडी ने पीएमएलए के तहत आलीराजपुर के बीईओ कमल राठौर व अन्य पर केस दर्ज किया था। इन पर आरोप है कि सरकारी राशि का गबन किया है। यह राशि 20 करोड़ से ज्यादा की है। इस राशि से संपत्तियां खरीदी गई हैं। ईडी ने जांच के बाद धार जिले में स्थित 56 भूखंड को अटैच किया है।

एफआईआर के बाद हुआ केस-ईडी ने आलीराजपुर जिले के कट्ठीवाड़ा थाने में एफआईआर हुई थी। आरोप है कि साल 2018-2023 की अवधि के दौरान कट्ठीवाड़ा स्थित ब्लॉक शिक्षा कार्यालय से 20.47 करोड़ का

गबन हुआ। कोषालय से यह राशि भुगतान के नाम पर निकाली गई।

इस तरह की धोखाधड़ी-ईडी की जांच में पता चला कि कमल राठौर ने अन्य आरोपियों के साथ मिलकर आलीराजपुर स्थित सरकारी खजाने से सरकारी धन का गबन किया। गबन की गई धनराशि को उनके और उनके परिवार के सदस्यों के विभिन्न बैंक खातों के माध्यम से भेजा गया। फिर नकद में निकाला गया और बाद में धार जिले के गंधवानी में कृषि भूमि की खरीद के लिए इस्तेमाल किया गया।

बाद में जमीन खरीदी और कॉलोनी काटी-ईडी को आगे की जांच में पता चला कि अपराध की आय से यह गंधवानी में जमीन खरीदी। फिर श्री बालाजी धाम परियोजना के तहत आवासीय भूखंडों में विकसित किया गया। यह विकास संपत्ति के अवैध स्रोत को छिपाने के लिए था। श्री बालाजी धाम के अस्थायी रूप से अटैच किए गए 56 आवासीय भूखंडों का बाजार मूल्य 6 करोड़ रुपएसे अधिक है।

इसके पहले खाते हो गए फ्रिज-इससे पहले, पीएमएलए, 2002 के प्रावधानों के तहत की गई तलाशी के परिणामस्वरूप आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए गए और बैंक खाते फ्रीज हुए थे। जांच के दौरान, आरोपी कमल राठौर को मनी लॉन्ड्रिंग के अपराध में संलिप्तता के लिए गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद आरोपी व्यक्तियों से संबंधित 4.43 करोड़ रुपए की संपत्ति को भी अटैच किया जा चुका है।

लक्ष्मीबाई नगर मंडी में व्यापारियों के प्लॉट से हटाई गईं झुग्गियां

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● लक्ष्मीबाई नगर अनाज मंडी प्रांगण में व्यापारियों के आवंटित प्लॉटों पर वर्षों से झुग्गी-झोपड़ी बनाकर रहने वाले लोगों पर मंडी प्रशासन ने कार्रवाई की। मंडी समिति ने भारी पुलिस बल के साथ झोपड़ियों को हटा दिया।

अतिक्रमण हटाने के साथ मंडी में रात में होने वाली नशाखोरी, चोरी-डकैती पर अंकुश लगाने के लिए नया प्लान लागू किया है। अब रात 10 बजे बाद मंडी परिसर में बाहरी लोगों का प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया गया। रात में अनावश्यक रूप से खड़े रहने वाले ट्रकों और अनधिकृत वाहनों को भी परिसर से बाहर खदेड़ा जा रहा। पुलिस द्वारा क्षेत्र में गश्त बढ़ाई गई है।मंडी समिति ने पुलिस को बताया कि कई असामाजिक तत्व मंडी की सुरक्षा के लिए लगाई गई लोहे की जालियों को क्षतिग्रस्त कर रात में प्रांगण में प्रवेश करते हैं, जिससे चोरी-डकैती की आशंका रहती है। सुरक्षाकर्मी टोकते हैं तो इन तत्वों द्वारा जान से मारने की धमकी दी जाती है। ऐसी ही कार्रवाई चोइथराम मंडी में भी की गई थी, जहां रात में अनधिकृत वाहनों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई।

स्कूल कैंटीन से लेकर ढाबों तक खाद्यसुरक्षा की बड़ी रेड

प्रेस्टीज पब्लिक स्कूल की मेस में खाद्य सुरक्षा मानकों की अनदेखी मिठाई, मसाले, दाल और पैकेज्ड पानी तक जांचा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● खाद्य पदार्थों में मिलावट और गुणवत्ता को लेकर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक जांच अभियान चलाया। कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा प्रशासन की टीमों ने स्कूल कैंटीन, ढाबों, किराना दुकानों और मिठाई प्रतिष्ठानों पर ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए कुल 23 खाद्य नमूने जांच के लिए संग्रहित किए। जांच के दौरान कई जगह खाद्य सुरक्षा मानकों के उल्लंघन और लापरवाही सामने आई।

पानी की जांच रिपोर्ट एक वर्ष पुरानी मिली: सबसे बड़ी कार्रवाई विजय नगर स्थित प्रेस्टीज पब्लिक स्कूल की मेस और कैंटीन में हुई। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के निरीक्षण में पाया गया कि खाद्य सामग्री का भंडारण निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं था। इतना ही नहीं, भोजन निर्माण और उपयोग में लिए जा रहे पानी की जांच रिपोर्ट भी एक वर्ष से अधिक पुरानी मिली।

इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए अधिकारियों ने फ्रेंच फ्राइज, तुअर दाल, घी, सोयाबीन तेल, इंस्टेंट खमन मिक्स, रोटी, मिक्स वेज सब्जी और चावल सहित कुल 8 नमूने जांच के लिए लिए तथा स्कूल प्रबंधन को सुधार सूचना पत्र जारी किया। कार्रवाई का दायरा केवल स्कूलों तक सीमित नहीं रहा। सीएम हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों को आधार बनाकर मानपुर स्थित मुंशी ढाबा पर भी छापामार कार्रवाई की गई। यहां से आटा, दाल, चावल, नमकीन और मसालों के पांच नमूने जांच के लिए भेजे गए।

इंदौर पुलिस पिटी, अधिकारियों की चुप्पी, अज्ञात पर केस

अभी भी 500 करोड़ की विवादित जमीन पर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर पुलिस को नशेड़ियों ने जमकर पीटा। दो पुलिसकर्मियों के सिर फूटे और टांके भी आए। दो और भी पिटे लेकिन मामला पुलिस ने दबा दिया। वहीं 23 जून की आधी रात को केस हुआ लेकिन अज्ञात पर। इंदौर में रविवार-सोमवार की दरमियानी रात को पुलिस पिट गई। यह विवाद डायमंड गृह निर्माण सोसायटी की डायमंड कॉलोनी की 500 करोड़ की जमीन का है। वहीं मंगलवार को इस मामले में खबर प्रकाशित की। तब जाकर इसमें रात साढ़े ग्यारह बजे केस दर्ज हुआ, लेकिन वह भी अज्ञात पर। इस पूरे मामले में पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो गए हैं। खासकर जिस जिले में प्रभारी मंत्री सीएम हैं और गृहमंत्री भी सीएम ही हैं, वहां की पुलिस पिट गई है और पीटने वाला आरोपी अज्ञात है।

इस संवेदनशील मामले में वरिष्ठ अधिकारी डीसीपी अमन सिंह राठौर हों, एडिशनल डीसीपी अमरेंद्र सिंह या एसीपी कुंदन मंडलोई सभी चुप हैं। बता दें कि टीआई कनाडिया सहर्ष यादव ने पहले से कहा था कि पुलिस को पीटने वाली कोई घटना नहीं हुई है। केवल दो पक्षों में विवाद था और पुलिस ने मामले को टाला और राजीनामा हो गया। लेकिन जब सीपी संतोष सिंह ने खबर के बाद सख्ती की तो फिर रात को एफआईआर हुई।

एफआईआर आरक्षक विजय सिकरवार के आवेदन पर लिखी गई है। इसमें कहा गया है कि दो पक्षों में विवाद हुआ था। इसमें एक ओर रहवासी (कॉलोनी वाले) थे और साथ ही संयम इन्फ्रा के लोग थे। विजय सिकरवार ने बताया कि मैं, आशीष शर्मा के साथ गया था। वहां पथराव भी हुआ था।

भिक्षा स्वरूप कुछ भी देना या उनसे किसी भी प्रकार के सामान खरीदने पर लगाई रोक

शहर में फिर दिखाई देने लगे भिखारी, प्रशासन सख्त

भिक्षावृत्ति की सूचना देने वाले को मिलेगी एक हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर जिले में भिक्षावृत्ति पर पूर्ण प्रतिबंध है, लेकिन बाहरी राज्यों या अन्य जिलों के लोग यहां निरंतर आते रहते है और भिक्षावृत्ति करने लगते है। शहर में एक बार फिर भिक्षावृत्ति करते हुए लोग दिखाई देने लगे है, जिसको लेकर प्रशासन फिर सख्त हो गया है।

भिक्षावृत्ति करने वाले को कोई राशि देता पाया गया तो उस पर भी कार्रवाई होगी वहीं भिक्षावृत्ति की सूचना देने वाले को एक हाजर रुपए का इनाम भी दिया जाएगा। कलेक्टर शिवम वर्मा द्वारा जारी आदेशानुसार इंदौर जिले की राजस्व सीमा अन्तर्गत किसी भी प्रकार की भिक्षावृत्ति को पूर्ण रूप से प्रतिबंधित किया गया है। भिक्षुओं को भिक्षा स्वरूप कुछ भी देना या उनसे किसी भी प्रकार के सामान को खरीदना प्रतिबंधित किया गया है। जो व्यक्ति भिक्षुओं को भिक्षा स्वरूप कोई चीज प्रदान करता है या देता है या इनसे कोई सामान खरीदता है तो उसके विरूद्ध भी इस आदेश के उल्लंघन के लिए कानूनी कार्यवाही की जायेगी।

आदेश तत्काल प्रभाव से लागू किया गया-यदि कहीं कोई व्यक्ति भिक्षावृत्ति करता पाया जाता है, तो उसकी सूचना कोई भी व्यक्ति महिला एवं बाल विकास विभाग के परियोजना अधिकारी दिनेश मिश्रा के मोबाईल नंबर 9691494951 पर दे सकता है, यदि सूचना सत्यापन के दौरान सही पाई जाती है तो संबंधित व्यक्ति को एक हजार रुपए की राशि प्रोत्साहन के रूप में प्रदान की जायेगी। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है जो 22 अगस्त तक की अवधि तक प्रभावशील रहेगा।

राजवाड़ा पर नगर निगम का तांडव दुकान के अंदर घुसकर लूटा सामान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर नगर निगम के रिमूवल अमले ने कल राजवाड़ा बाजार में कार्रवाई के नाम पर जो नंगा नाच दिखाया, उसने सरकारी तंत्र की क्रूरता और तानाशाही को पूरी तरह बेनकाब कर दिया है। इसे कार्रवाई कहना कानून का मखौल उड़ाना होगा— यह सीधे-सीधे नगर निगम के अधिकारियों की 'सरेआम डकैती' और 'अत्याचार' है। निगम के एडिशनल कमिश्नर आकाश सिंह के इशारे पर आए रिमूवल गैंग के गुंडों ने कल मर्यादा और नियम-कायदों की सारी हदें पार कर दीं।

सामने आए सीसीटीवी फुटेज में साफ दिख रहा है कि वर्दी और सत्ता के नशे में चूर ये कर्मचारी किसी डकैत गिरोह की तरह दुकानों के भीतर जबरन घुस रहे

हैं। व्यापारियों को धकियाते हुए अंदर रखा सामान और डमी इस तरह उठा-उठाकर फेंक रहे हैं, मानो किसी दुश्मन के इलाके में लूटपाट मचा रहे हों।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।